दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 273 | ग्वालियर, शुक्रवार 06 नवम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

दोनों हाथ थे खराब तो पैरों से लिखकर पास किया बीटेक नहीं मिली नौकरी तो अब बच्चों को फ्री में दे रहे शिक्षा

फर्रुखाबाद। मंज़िल उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है, पंखों से कुछ नहीं होता हौसले से उड़ान होती है। कांशीराम कॉलोनी में रहने वाले दिव्यांग एहतिशाम हैदर ने इसे कर दिखाया। बेजान हाथों के बावजूद पैरों से लिख कर पढ़ा और बीटेक तक कर लिया, लेकिन नौकरी नहीं मिली। फिर उन्होंने बच्चों को निःशुल्क पढ़ाने का बीड़ा उठाया। 8 साल से चल रहा यह क्रम लॉकडाउन में भी नहीं थमा। हाथ वालों से बेहतर लिखावट, पेंटिंग के साथ-साथ गायिकी में भी यू-ट्यूब पर धमाल मचा रहे हैं। एहतिशाम जन्मजात दिव्यांग थे मगर उन्होंने कभी हार नहीं मानी। बीएससी के बाद बीटेक किया और अब एलएलबी कर रहे हैं। एहतिशाम का कहना है कि कई जगह नौकरी के लिए साक्षात्कार दिया। मगर दिव्यांगता के चलते नौकरी देने को तैयार नहीं है। वन अधिकारी के लिए भी चार साल पहले आवदेन किया था, पर उसमें नंबर नहीं आया। फिर एक दिन कांशीराम कॉलोनी के बच्चों को इधर-उधर घूमते-हुड़दंग करते और नशा-पत्ती करते देखा तो उन्हें रहा नहीं गया। उन्होंने उन बच्चों के मां-बाप को बुलाया और उनसे बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रेरित किया। मगर सभी ने रुपये-पैसे न होने पर इनकार कर दिया। तब एहतिशाम ने कहा, हम इन बच्चों को फ्री में पढ़ाएंगे। आठ साल से उनकी क्लास नियमित चल रही है। सात वर्ष पहले एहतिशाम के पिता इस्लाम अहमद का इंतकाल हो चुका है। वह वैद्य थे । मां कुबरा बेगम कम पढ़ी-लिखी हैं। बहन गजाला तबस्सुम पर अचानक पूरे परिवार का भार आ गया। तब एहतिशाम ने गरीब बच्चों को फ्री में पढ़ाने के साथ 9वीं से 12वीं तक के बच्चों को ट्यूशन पढ़ाना शुरू किया ताकि घर-खर्च चलने में दिक्कत न आए। इस समय वह 25 बच्चों को पढ़ा रहे हैं। उनके पढ़ाए तमाम झोपड़-पट्टी के बच्चे हाईस्कूल-इंटर में प्रथम श्रेणी में पास हो चुके हैं। कूड़ा बीनने और मेहनत-मजदूरी करने वालों के घरों में शिक्षा की लौ जलाने वाले एहतिशाम को हर कोई जीभर के दुआएं देता है।

चित्रकारी-गायन का भी शौक, मिले कई सम्मान-एहतिशाम जब अपने खराब पैरों की उंगलियों से चित्रकारी करते हैं तो लोग हैरत में पड़ जाते हैं। वह आज भी दिन में एक-दो बार कोई न कोई चित्र अवश्य बनाते हैं। इसके साथ ही वह गायन के भी शौकीन हैं। यू-ट्यूब पर उनके बनाए गाने भी छाए रहे हैं। एहतिशाम के हौसले को देखते हुए तत्कालीन राज्यपाल राम नाइक भी उन्हें सम्मानित कर चुके हैं। इसके अलावा विभिन्न संस्थाओं की ओर से भी सम्मान पत्र मिले हैं।

बिहार चुनाव का पूरा फोकस विकास पर रहना गर्व की बात...

तीसरे फेज की वोटिंग से पहले पीएम मोदी ने लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव के तीसरे और अंतिम फेज की वोटिंग से पहले राज्य की जनता को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में पीएम मोदी ने कहा है कि यह गर्व की बात है कि बिहार चुनाव का पूरा फोकस विकास के मुद्दे पर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने पत्र की शुरुआत मेरे प्रिय बिहार के भाईयो और बहनो से की है।

पत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा, आज इस पत्र के माध्यम से आपसे बिहार के विकास, विकास के लिए एनडीए पर विश्वास और विश्वास बनाए रखने के लिए एनडीए के संकल्प के बारे में बात करना चाहता हूं। युवा हों या बुजुर्ग, गरीब हों या किसान, हर वर्ग के लोग जिस प्रकार आशीर्वाद देने के लिए सामने आ रहे हैं, वह एक आधुनिक और नए बिहार की तस्वीर को दिखाता है। बिहार में लोकतंत्र के महापर्व के दौरान मतदाताओं के जोश ने हम सबको और अधिक उत्साह के साथ कार्य करने को प्रेरित किया है।प्रधानमंत्री मोदी ने आगे लिखा, बिहार में लोकतंत्र की पहली कोपल फूटी, ज्ञान-विज्ञान, शास्त्र-अर्थशास्त्र, हर प्रकार से बिहार संपन्न रहा है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र पर चलते हुए एनडीए सरकार बिहार के गौरवशाली अतीत को फिर स्थापित करने के लिए कटिबद्ध है, प्रतिबद्ध है।पीएम मोदी ने चार पन्नों के पत्र में आगे कहा कि साथियो, यह हम सबके लिए गर्व का विषय है कि बिहार चुनाव का पूरा फोकस विकास पर केंद्रित रहा। एनडीए सरकार ने पिछले सालों में जो कार्य किए, ,उसका हमने ने केवल रिपोर्ट कार्ड पेश किया, बल्कि जनता-जनार्दन के सामने आगे का विजन भी रखा। लोगों को भरोसा है कि बिहार का विकास एनडीए सरकार ही कर सकती है।

वर्ष 2005 के बाद से बिहार में बदला माहौल

बिहारवासियों के नाम लिखी गई पीएम मोदी की चिट्ठी में आगे कहा गया है कि अव्यवस्था और अराजकता के वातावरण में नव-निर्माण असंभव होता है। वर्ष 2005 के बाद से बिहार में माहौल भी बदला और नव-निर्माण की प्रक्रिया भी आरंभ हुई। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और कानून का राज, ये सामाजिक और आर्थिक संपन्नता के लिए अनिवार्य हैं। बिहार को ये दोनों एनडीए ही दे सकता है।

सात नवंबर को अंतिम फेज का मतदान

तीन चरणों में हो रहे बिहार विधानसभा चुनाव का तीसरा और अंतिम चरण का मतदान सात नवंबर को होगा। पहले फेज की वोटिंग- 28 अक्टूबर, दूसरे फेज की वोटिंग तीन नवंबर को हो चुकी है। पहले दोनों फेज में एनडीए और महागठबंधन, दोनों ने ही जीत के दावे किए हैं। बिहार चुनाव के नतीजों का ऐलान 10 नवंबर को होगा।

दिवाली से पहले शिवराज सरकार का बड़ा फैसला, चीनी पटाखों की बिक्री पर लगाई रोक

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेश में चीनी पटाखे की बिक्री एवं उनके उपयोग पर बुधवार को प्रतिबंध लगा दिया। मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश की कानून व्यवस्था के संबंध में आज मंत्रालय में एक उच्च स्तरीय बैठक ली। इसमें मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में चीनी पटाखे बेचना एवं उनका उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। चौहान ने कहा कि ऐसा करने पर एक्सप्लोसिव एक्ट (विस्फोटक अधिनियम) की संबंधित धारा के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने प्रदेश की जनता से अपील की कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत स्थानीय को बढ़ावा देने के? लिए स्थानीय उत्पादों को खरीदा जाए। उन्होंने कहा कि दीपावली के दौरान मिट्टी के दिए खरीदें, जिससे स्थानीय कुम्हारों को रोजगार मिले। इस बैठक में मध्य प्रदेश के अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा ने बताया कि विस्फोटक अधिनियम की धारा 9-बी (1) (बी) के अंतर्गत अवैध पटाखों के भंडारण, वितरण तथा विक्रय एवं उपयोग पर 2 साल की सजा का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि अतः कोई भी पटाखों का भंडारण, वितरण, विक्रय अथवा उपयोग न करें।

दिवाली से पहले केजरीवाल सरकार का बड़ा फैसला

दिल्ली में सभी तरह के पटाखे फोड़ने पर लगाया बैन

नई दिल्ली। दिल्ली में बेकाबू होते कोरोना और प्रदूषण के मद्देजनर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार शाम कई विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर हालात की समीक्षा की। बैठक के दौरान अस्पतालों में आईसीयू बेड आरक्षित करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जाने और दिल्ली में टारगेट टेस्टिंग बढ़ाने और पटाखे बैन करने जैसे कई अहम फैसले लिए गए।

केजरीवाल ने आज कहा कि बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली में कोविड-19 की स्थिति बदतर होती जा रही है। इसके चलते उन्होंने इस बार भी लोगों से पटाखे नहीं फोड़ने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली इस समय कोविड-19 और बढ़ते वायु प्रदूषण का सामना कर रही है और आप सरकार इससे निपटने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

हाईकोर्ट ने कहा- जल्द कोरोना कैपिटल बनने जा रही है दिल्ली

उन्होंने लोगों से दिवाली पर पटाखे नहीं फोड़ने की अपील करते हुए कहा कि बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली में कोविड-19 की स्थिति बदतर होती जा रही है।ऐसे में अगर हम इस दिवाली पर पटाखे फोड़ते हैं, तो हम अपने बच्चों और परिवारों के साथ खेल रहे हैं।

केजरीवाल ने बैठक में लिए 5 प्रमुख फैसले

1. दिल्ली में ग्रीन पटाखों सहित सभी तरह के पटाखे फोड़ने पर बैन लगाया।
2. अस्पतालों में ऑक्सीजन बेड, आईसीयू बेड समेत अन्य सुविधाओं में बढ़ोतरी।
3. दिल्ली हाईकोर्ट ने प्राइवेट अस्पतालों में आईसीयू बेड बढ़ाने के आदेश पर रोक लगा दी है, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगी।
4. टारगेट टेस्टिंग में होगा इजाफा।
5. मृत्यु दर कम करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

दिल्ली में एक दिन में सर्वाधिक 6,842 नए मरीज मिले, 51 की मौत-राजधानी में बुधवार को कोरोना वायरस संक्रमण के एक दिन में सर्वाधिक 6,842 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों का कुल आंकड़ा 4.09 लाख हो गया। दिल्ली में पहली बार कोविड-19 के 6,800 से अधिक नए मामले सामने आए हैं।

मध्यप्रदेश उपचुनावः ज्योतिरादित्य सिंधिया के गढ़ में भाजपा को चौंका सकते हैं नतीजे

भोपाल। मध्यप्रदेश की 28 सीटों पर उपचुनाव पूरे हो चुके हैं। हालांकि, परिणामों को लेकर पार्टियों की बीच काफी जिज्ञासा है। नतीजों को लेकर भाजपा की कोर टीम ने पार्टी स्तर पर विश्लेषण किया है। इसमें भाजपा इस बात के लिए आश्वस्त है कि पार्टी की जीत पक्की है। बता दें, विश्लेषण में यह तथ्य भी सामने आया है कि भाजपा को ग्वालियर-चंबल संभाग में परिणाम पार्टी को चौंका सकते हैं। यह राज्यसभा सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रभाव वाला क्षेत्र है। वहीं, इस मामले में राजनीतिक जानकारों का कहना है कि सिंधिया के प्रभाव वाले क्षेत्र में पार्टी को नुकसान की आशंका यदि सही साबित हुई तो मध्य प्रदेश में भाजपा की राजनीति का अलग दौर शुरू होगा। हालांकि, जब तक चुनावों के नतीजे साफ नहीं हो जाते तब तक पार्टी के

आंतरिक विश्लेषण को अंतिम नहीं माना जा सकता. वहीं, सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस से भाजपा में आए जिन ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थकों को भाजपा ने प्रत्याशी बनाया, उनकी पार्टी में स्वीकार्यता को लेकर शुरू से ही असमंजस था। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के सामने एक हिचक यह भी थी कि भाजपा में आने से पहले दशकों तक जिन नेताओं को भला-बुरा कहा गया, अब उनके लिए जनता से वोट किस तरह मांगें? वहीं, उपचुनावों के प्रचार के दौरान यह भी प्रसंग सुनने में आए थे कि जब मतदाताओं ने कार्यकर्ताओं व नेताओं से प्रति प्रश्न किए कि जिन्हें आप अब तक बुरा कहते थे, अब वे अच्छे कैसे हो गए? इस तरह के सवालों ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए असहज स्थिति पैदा की।

दुश्मनों काल राफेल होगा अब और विकराल

भारत का बाहुबली होगा घातक हैमर मिसाइल से लैस

दिल्ली। राफेल की मारक क्षमता, बाज की तरह दुश्मनों पर नजर और करीब 2130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार उसे दूसरे लड़ाकू विमानों से अलग बनाती है। चीन के साथ सीमा विवाद के बीच ड्रैगन को काउंटर करने और हर मोर्चे पर दुश्मनों को मात देने के लिए भारत के पास अब राफेल नामक बाहुबली की बड़ी ताकत मिल गई है। वैसे तो राफेल दुश्मनों को माकुल जवाब देने के लिए पहले से ही सक्षम है, मगर अब उसकी ताकत में और इजाफा होने वाला है। भारतीय राफेल जेट की क्षमता और बढ़ेगी क्योंकि अब जो भारत को राफेल मिलेगा, वह हैमर मिसाइल से लैस होगा। हैमर यानी कि हाइली एजाइल एंड मैनोवरेबल म्यूनिशन एक्टेंडेड रेंज हवा से जमीन पर मार करने वाली रॉकेट के जरिए चलने वाली मिसाइल किट है। दरअसल, फ्रांस ने भारतीय लड़ाकू विमान राफेल को हवा से जमीन पर मार करने वाली ऑल वेदर मिसाइल हैमर से लैस करने पर सहमति व्यक्त की है। इससे पहले राफेल को हवा और जमीन दोनों जगहों पर अपने टारगेट को तबाह करने के लिए घातक स्ह्वष्ट, स्ह्वह्लद्गश्ह्य और स्ह्रक्क मिसाइलों से लैस किया गया है। हैमर से पहले राफेल में 300 किलोमीटर की रेंज वाली स्कल्प मिसाइल इसे सबसे ज्यादा मारक बनाती है। वहीं, स्ह्वह्लद्गश्ह्य एयर-टू-एयर मिसाइल का निशाना अचूक है और दुश्मनों के मंसूबों को तोड़कर रख देती। अब जब राफेल को हैमर मिसाइल से लैस किया जाएगा तो अब हैमर के लैस होने से राफेल अजेय हो जाएगा। हैमर काफी खतरनाक हथियार है, जिसे जीपीएस की उपलब्धता के बिना भी बहुत ही कम दूरी से 70 किलोमीटर की बहुत लंबी रेंज से लॉन्च किया जा सकता है। हमारी सहयोगी वेबसाइट हिंदुस्तान टाइम्स ने वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से बताया है कि सितंबर 2020 में भारत और फ्रांस की सरकारों के बीच हैमर कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए गए थे और इस महीने के अंत तक बड़ी संख्या में हथियारों को अंबाला में भारतीय वायु सेना स्टेशन के गोल्डन एरो स्क्वाड्रन को डिलीवर्ड किया जाएगा। भारत और फ्रांस के बीच रक्षा सहयोग ऐसा है कि आम तौर पर हैमर हथियार को एक साल में भारतीय वायु सेना को डिलीवर किया जाना था, मगर फ्रांसीसी वायु सेना ने नई दिल्ली के तत्काल जरूरत को पूरा करने के लिए अपनी सूची में सीमित हथियारों के साथ भाग लेने का फैसला किया है। हैमर हथियार का उपयोग कई टारगेट्स पर एक साथ हमले के लिए किया जा सकता है और इसके रख-रखाव की लागत भी कम है।

सुशासन बाबू का 'न्यासः

क्या बिहार के रण में कोई गुल खिला पाएगा नीतीश का यह ब्रह्मास्त्र

पटना ।सुशासन बाबूके नाम से जाने जाने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के आखिरी चरण के लिए प्रचार के आखिरी दिन अपने संन्यास के बारे में संकेत देते हुए कहा कि यह उनका अंतिम चुनाव है। नीतीश के इस ऐलान से देश की राजनीति में नई हलचल मच गई और बिहार के रण में जेडीयू की एक नई रणनीति भी सामने आई। सात नवम्?बर को 78 सीटों के लिए होने वाले मतदान से ठीक पहले बिहार के लोगों के सामने नीतीश की इस भावुक अपील का क?या असर पड़ा यह तो 10 नवम्बर को ही पता चलेगा लेकिन फिलहाल बिहार में सबसे बड़ा सवाल यह है कि 43 साल से राजनीतिक सफलता की इबारत लिख रहे, अब तक छह बार मुख्यमंत्री रह चुके और 15 साल से बिहार पर एकछत्र राज कर रहे नीतीश क्या वाकई संन्यास ले लेंगे? क्या इस भावुक अपील के बाद उन्हें एक और मौका मिलेगा।

गुरुवार को पूर्णिया की रैली में सीएम नीतीश कुमार ने ऐलान किया कि मौजूदा चुनाव उनका आखिरी चुनाव है। नीतीश कुमार ने धमदाहा विधानसभा में आखिरी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह मेरा आखिरी चुनाव है। अंत भला तो सब भला। इसके बाद नीतीश ने लोगों से एनडीए उम्मीदवार को वोट देने की अपील की। नीतीश की इस भावुक अपील के बाद बिहार में पूछा जाने लगा कि क्या नीतीश को एक आखिरी मौका मिलेगा। नीतीश की इस अपील को उनके ब्रह्मास्त्र के तौर पर देखा जा रहा है।

ऐलान से नीतीश ने चौंकाया

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अंतिम चुनाव वाले ऐलान ने गुरुवार को उनके विरोधियों के साथ-साथ उनकी पार्टी और भाजपा को भी चौंका दिया। इसके पहले नीतीश कुमार से जब कभी उनके रिटायरमेंट के बारे में पूछा जाता तो वह सवाल टाल देते थे। पिछले दिनों कुछ चैनलों को दिए इंटरव्यू में भी उन्होंने इस सवाल को टालते हुए कहा था किइस बारे में मत पूछिए, जब तक जनता काम करने का मौका देगी, काम करेंगे। इसीलिए गुरुवार को उन्होंने आखिरी चुनाव वाला ऐलान किया तो हर कोई चौंक गया।

जदयू ने मिसाल तो राजद-कांग्रेस ने देर से लिया निर्णय कहा

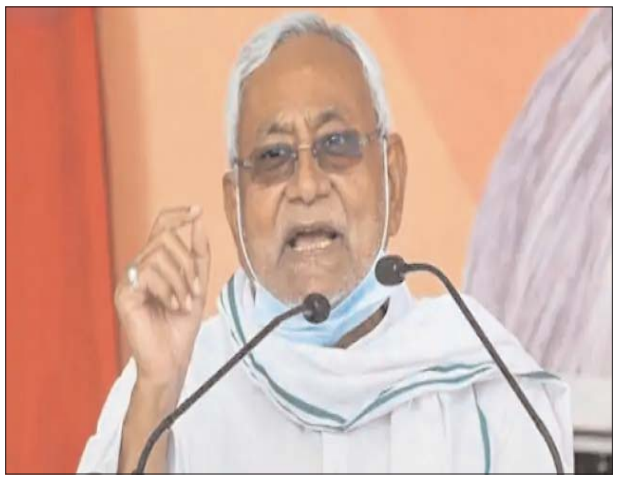

नीतीश कुमार के इस ऐलान को राजनीतिक गलियारों में हर कोई अपने-अपने नजरिए से देख रहा है। जद यू ने इसे मिसाल कहा है तो राजद

और कांग्रेस इसे देर से किया गया ऐलान बता रहे हैं। जद यू के नेता इम्तियाज अहमद ने कहा कि नीतीश जी ने पूरी जिंदगी जनता की सेवा की है। वह सूफी-संतों का सम्मान करते रहे हैं। उनका यह ऐलान उनकी बेदाग छवि और सेवा से परिपूर्ण व्यक्तित्व की ही एक कड़ी है। राजद के नेता रामबली चंद्रवंशी ने कहा कि उन्हें नीतीश कुमार के इस ऐलान की लम्?बे समय से प्रतीक्षा थी। उन्?होंने काफी देर लगा दी। राजद नेता ने कहा कि उनके नेता तेजस्वी यादव लगातार यह कह रहे थे कि नीतीश जी थक चुके हैं। कांग्रेस नेता चंद्रप्रकाश ने कहा कि नीतीश कुमार ने यदि सोच-समझकर किसी राजनीतिक फायदे के लिए यह ऐलान किया है तो उन्हें समझ लेना चाहिए कि ऐसा कतई नहीं होगा। वहीं भाजपा के प्रेमरंजन पटेल ने कहा कि नीतीश जी ने किन संदर्भों में यह ऐलान किया है उसे समझना होगा। नीतीश कुमार यदि चाहें तो भी जनता उन्?हें बिहार की राजनीति से अलग नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि चुनाव में जिस तरह विपक्ष के नेता उनके प्रति शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं, हो सकता है कि उससे उनका मन आहत हुआ हो। उसी पीड़ा में उन्होंने यह ऐलान कर दिया हो।

69 बरस के नीतीश ने 43 साल की सियासत में देखे कई उतार-चढ़ाव- बिहार के सीएम नीतीश कुमार की उम्र इस वक्त 69 साल है। उनका राजनीतिक कॅरियर 1977 में शुरू हुआ था। 43 साल की सियासत में नीतीश ने तमाम उतार चढ़ाव देखे हैं। आइए डालते हैं नीतीश कुमार के सियासी सफर पर एक नज़र- नीतीश कुमार, छह बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं। तीन मार्च 2000 से 10 मार्च 2000 तक, 24 नवंबर 2005 से 24 नवंबर 2010 तक, 26 नवंबर 2010 से 19 मई 2014 तक, 22 फरवरी 2015 से 19 नवंबर 2015 और 20 नवंबर 2015 और 2015 से अभी तक वह बिहार के सीएम बने हुए हैं।

मैकेनिकल इंजीनियर ने जेपी-लोहिया-कर्पूरी ठाकुर और जार्ज से सीखे राजनीति के गुर-बिहार के पटना इंजीनियरिंग कॉलेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री लेने वाले नीतीश कुमार का जन्म साल 1951 में हुआ था। नीतीश का उपनाम मुन्ना है। नीतिश के पिता एक स्वतंत्रता सेनानी थे। नीतीश ने राजनीति के गुण जयप्रकाश नारायण, राम मनोहर लोहिया, कर्पूरी ठाकुर और जॉर्ज फर्नाडीज से की थी। नीतीश कुमार का एक बेटा है जो बीआईटी से ग्रेजुएट है।

ऐसे हुई राजनीतिक सफर की शुरुआत-नीतीश के राजनीतिक करियर की शुरुआत साल 1977 में हुई थी। इस साल नीतीश ने जनता पार्टी के टिकट पर पहला विधानसभा चुनाव लड़ा। साल 1985 को नीतीश बिहार विधानसभा के सदस्य चुने गए। इस बीच साल 1987 को नीतीश कुमार बिहार के युवा लोकदल के अध्यक्ष बने। 1989 को नीतीश कुमार को जनता दल का महासचिव बना दिया गया। साल 1989 नीतीश के राजनीतिक करियर के लिए काफी अहम था। इस साल नीतीश 9वीं लोकसभा के लिए चुने गए। लोकसभा के लिए ये नीतीश का पहला कार्यकाल था। इसके बाद साल 1990 में नीतीश अप्रैल से नवंबर तक कृषि एवं सहकारी विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री रहे।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com, Email - pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर...

पुरोहित युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव बने

भिण्ड– मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देश पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष जयश्रीराम बघेल की अनुशंसा पर युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष विधायक कुणाल चौधरी ने ग्राम नखलौली अटेर निवासी कांग्रेस के युवा नेता हरिकृष्ण शर्मा (कृष्णा पुरोहित) को युवा कांग्रेस का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। श्री पुरोहित ने अपने मनोनयन पर शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट करते हुआ कहा संगठन ने मुझे जो दायित्व सौंपा है, मैं उसे पूर्ण निष्ठा और समर्पण से निभाऊंगा और युवाओ को अधिक संख्या में कांग्रेस पार्टी से जोड़ने का कार्य करूँगा। श्री पुरोहित के मनोनयन पर उनके इष्ट मित्रों ने शुभकामनाएं प्रेषित की है जिनमें प्रदेश उपाध्यक्ष रामकिशोर भारद्वाज, महामंत्री रामहरि शर्मा, भगवानदास सैंथिया, डॉ. राधेश्याम शर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष इरशाद अहमद, रामहर्ष कुशवाह, सेवादल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, जिला प्रवक्ता अनिल भारद्वाज, संजय भूता, प्रदीप जैन, शैलेन्द्र भदौरिया, ममता मिश्रा, रीना चौहान, स्नेहलता जैन, रेखा भदौरिया, कल्पना मिश्रा,अंशु अरेले, राजेश शर्मा, राजमणि शर्मा, बिज्जू यादव, रामशेष बघेल, रमेश बघेल, राधव पुरोहित, विकास शर्मा, राज पांडेय, राजीव पण्डित, अंकित शर्मा, अजय शर्मा, निशांत पुरोहित,आशु सोनी, दिनेश यादव आदि ने बधाई दी हैं।

आज एटा में पत्रकार सुरक्षा संघर्ष समिति के तत्वाधान में किया धरना प्रदर्शन

एटा। पत्रकारों पर हो रहे प्रदेश में मार पीट अभद्रता और कवरेज पर प्रेस कार्यो में बांधा डालने जैसे मामले लगातार सामने आ रहे है ऐसा ही मामला जनपद एटा के नगरपालिका परिषद का है जहां पर नगरपालिका में रेन्ट लिपिक के पद कार्यरत है यशवीर सिंह यादव ने दिनांक 2/11/2020 को खबर की कवरेज करने गए स्वराज एक्सप्रेस न्यूज चैनल का संवाददाता वीरभान उर्फ मोहित ठाकुर के साथ मारपीट और अभद्रता की साथ ही पीड़ित पत्रकार को जबरन खींचकर अन्दर ले जाकर बंधक बनाने की कोशिश की गई।जब इस मामले की शिकायत पर कोई कार्यवाही नहीं की गई जब आज पत्रकारों ने एकजुट होकर सुरक्षा संघर्ष समिति के तत्वाधान में कलेक्ट्रेट धरना स्थल पर धरना पर बैठे सभी पत्रकारों ने दोषी यशवीर सिंह यादव के खिलाफ व सहित दो अन्य अज्ञातों को तत्काल से सेवा समाप्त करने की मांग रखी गई धरना पर बैठे पत्रकारों में अध्यक्ष बबलू चक्रवर्ती, महासचिव रोहिताश चौहान, कोषाध्यक्ष राजीव मिश्रा,राज वर्मा, दिनेश शर्मा,दीपक पंडित, अशोक शर्मा,एस.के.माथुर, ज्ञानेश,वैभव जैन, अशोक शर्मा ,बिलाल अंसारी,वैभव पचौरी, संदीप दीक्षित आदि सैकड़ों की संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

जम्मू के शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने की साज़िश: साहनी

जम्मू। शिवसेना बाला साहेब ठाकरे जम्मू-कश्मीर इकाई के नेताओं ने आज पीडीपी अध्यक्षता एवं पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन की उपाध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के जम्मू पहुंचने पर उन्हें काले झंडे दिखाए तथा महबूबा तिरंगा उठाने या वापिस जाए के नारे लगाते हुए , विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी प्रदेश अध्यक्ष मनीश साहनी की अध्यक्षता में दर्जनों शिव सैनिकों ने महबूबा एवं गुपकार एलाइंस की जम्मू में होने वाली बैठक पर कड़ा विरोध जाहिर किया। साहनी ने कहा कि गुपकार एलाइंस के नेताओं का जनता को गुमराह करने एवं भड़काने का रवैया जारी रहा तो इन बैठकों से जम्मू का शांतिपूर्ण माहौल बिगड़ सकता है। वह जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल माननीय मनोज सिन्हा से इन बैठकों को प्रतिबंधित किए जाने की मांग करते है। साहनी ने कहा कि देश के आंतरिक मामलों पर दुश्मन देशों से मदद मांगने एवं तिरंगे को लेकर जो ब्यान गुपकार एलाइंस के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने दिए हैं वह देश एवं राष्ट्र विरोधी थे , इनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई को अंजाम देने की जगह इन्हें अपने पैर पसारने की अनुमति दी जा रही है । साहनी ने कहा कि इन नेताओं को अपने बयानों को लेकर देश से माफी मांगनी होगी। साहनी ने जम्मू-कश्मीर की तमाम हिन्दू संगठनों एवं राजनैतिक पार्टियों को एकजुट हो विरोध करने एवं गुपकार एलाइंस की गतिविधियों को जम्मू में बर्दाश्त नहीं करने की अपील की । इस मौके पर मिनाक्षी छिब्बर, अध्यक्ष महिला विंग, विकास बख्शी महासचिव, राज सिंह सचिव, सहसचिव राजू सलारिया, भूरी सिंह, संजीव सूदन, गीता रानी, रोमा देवी, डिम्पल. समेत कई नेता एवं उपस्थित हुए।

पंचायत समिति चुनाव को लेकर जंग की लड़ाई की शुरुआत हुई

पाली. नेनाराम सीरवी.जिले में आगामी नवंबर माह में होने वाले जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनाव को लेकर संपूर्ण राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों द्वारा बैंकों का दौर हुआ शुरू. जिला परिषद चुनाव के साथ पंचायत समिति चुनाव के लिए अलग अलग राजनीतिक दलों के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं निर्दलीय उम्मीदवारों द्वारा अपने अपने क्षेत्र में प्रचार का दौर हुआ शुरू. रानी पंचायत समिति चुनाव 2020 के तहत अपने अपने वार्ड में चुनाव लड़ने के लिए राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों द्वारा शीर्ष नेतृत्व के आधार पर अपने अपने ताकत लगा रहे हैं.लेकिन अभी तक रानी पंचायत समिति के किसी भी वार्ड से कांग्रेस पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की ओर से उम्मीदवारों के नाम की घोषणा नहीं की गई. चुनाव की सरगर्मी दिनों दिन तेज हो रही है. रानी पंचायत समिति वार्ड संख्या दो के लिए भाजपा की ओर से प्रबल दावेदार के रूप में माने जाने वाले आवेदकों को अभी तक पार्टी की ओर से कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला. और नहीं कांग्रेस पार्टी की ओर से किसी भी नाम का कोई ऐलान नहीं हुआ इस बीच रानी पंचायत समिति के वार्ड संख्या 1 और 2 के लिए आवेदकों की ओर से अपने अपने क्षेत्र के वरिष्ठ पदाधिकारियों से रूबरू होकर टिकट की मांग कर रहे हैं इसके साथ जिला परिषद चुनाव होने जा रहे हैं जिसमें अभी तक किसी भी राजनीतिक दल द्वारा अपने क्षेत्र के उम्मीदवारों के नाम की घोषणा नहीं हुई. रानी पंचायत समिति चुनाव 2020 को लेकर वार्ड संख्या 2 से खोड मंडल अध्यक्ष हुकुम सिंह.खरोखडा. एवं मंडल के वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रभु सिंह राव सोहन सिंह राजपुरोहित भोपाजी द्वारा चुनाव लड़ने के लिए अपनी ओर से पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के समक्ष अपने आवेदन जमा कराए । लेकिन अभी तक पंचायत समिति चुनाव के संपूर्ण वार्ड में किसी भी प्रकार से कोई भी प्रत्याशी का भारतीय जनता पार्टी की ओर से नाम का ऐलान नहीं हुआ. इस प्रकार जिले के संपूर्ण पंचायत समिति चुनाव को लेकर अपने अपने वार्ड में अपनी ओर से संपूर्ण आवेदक पूरी ताकत झोंक रहे हैं लेकिन अभी तक किसी भी प्रकार का नाम का ऐलान कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी की ओर से नहीं किया गया.जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनाव के लिए जिले के संपूर्ण वार्ड के अनुसार पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ चर्चाओं का दौर शुरू हुआ.

अधिकारियों की लापरबाही बाजरा बिक्री रजिस्टेशनों का नही किया सत्यापन...

रिपोर्टर सुनील तोमर अम्बाह

अम्बाह... अम्बाह तहसील के किसानो ने दो माह पहले समर्थन मूल्य पर बाजरा बिक्री के दो महीने पहले ऑन लाइन रजि स्टेशन करा लिये थे उसके बाद मैसिज आने पर किसान बाजरा खरीदी कैन्द्र पर बाजरा बिक्री किया जाता था इस बार शासन की तरफ से फसल का आकलन का बहाना बनाकर सत्यापन नही किया गया है जो कि एक लापरबाही है जबकि बाजरा की खरीदी 2 तारीख से चालू होगई तहसील से सत्यापन न होने से किसानो के मैसिज नही आरहे है जब कि यह सत्यापन का काम पहले ही किया जाना था अब कर्मचारी किसानो को भ्रमित कर रहै है किसान तहसील में चक्कर लगा रहै है तहसील में चुनाब का नाम

तादाद की संख्या में किसान के लगा रहै चक्कर कर्मचारी गायब...

लेके सभी गायब है तहसीलदार जी से फोन पर बात की तो कहा पटबारी से बात करे पटबारी से बात की तो बोले में तो पहले तहसीलदार के रीडर को सारी जानकारी दे चुका हू तहसीलदार साहब के रीडर को रीडर से बात की तो बोले तहसीलदार साहब आदेश करेगे तब सत्यापन होगा पता नही शासन के आदेशों का क्यो उलंगन किया जारहा इसमे शासन की घोर लापरबाही रही है कि किसानो को बेबजह चक्कर लगाने पड रहै है जब कि फसल आकलन का काम गिरदाबल पटबारी का है अगर एक दो दिन में सत्यापन नही हुआ तो किसानो का बाजरा कैसे बिक्री होगा जब कि मुख्य मंत्री जी का कहना है दाना दाना खरीदा जाबेगा...

चैन्नई पुलिस डिप्टी कमिश्नर के प्रभाकरन का शौल औढाकर संम्मानित किया

नारायणलाल सैणचा

चैन्नई– शहर की आलंदूर पुलिस ने 20 जुलाई 2019 में आवडी के गिरवी व्यापारी मुकेश शर्मा की दुकान से चोरी का माल बरामद किया था।आलंदूर पुलिस ने बरामद किए गए आधे माल के संबंध में व्यापारी को अपराध संख्या लिख कर माल बरामदगी की लिखित प्राप्ति सौंप दी थी।मगर व्यापारी से वसूल किये गए 23 ग्राम माल के बारे में पुलिस संशय की स्तिथि में थी।इस माल के संबंध में पुलिस का रवैया टालमटोल वाला था।डेढ़ साल बीत जाने पर भी पुलिस इस 23 ग्राम माल के संबंध में कोई संतोषप्रद जवाब नही दे पाई।पुलिस के इस गैरजिम्मेदाराना व्यवहार से आहत मुकेश शर्मा ने भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी तेजानंद महाराज को इस मुद्दे पर हस्तक्षेप देने की गुहार लगाई। सोमवार को संघटन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानंद महाराज तमिलनाडु पौन ब्रोकेर्स एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश शर्मा और संघटन सचिव एम रमेश कुमार जी सेन के साथ सेंट माउंट रेंज के वरिष्ठ पुलिस उपआयुक्त डिसीपी.के. प्रभाकरन आइपीएस से मुलाकात कर आलंदूर पुलिस को 23 ग्राम माल के बारे में अपना पक्ष स्पष्ट करने हेतु आदेश जारी करने के लिए अनुरोध किया।माननीय पुलिस उपआयुक्त डिसीपी. ने आलंदूर थाने के सहायक पुलिस आयुक्त ए सी जीवानंदम से मामले को शीघ्र सुलझाने हेतु आदेश जारी किया।आलंदूर थाने में एकाएक अफरातफरी मच गई।माननीय पुलिस उपआयुक्त डिसीपी,सेंट माउंट के आदेश की पालना के क्रम में आलंदूर के सहायक पुलिस आयुक्त ऐ सी जीवानंदम ने मंगलवार को संशय के जाल में उलझे 23 ग्राम सोने के गहने, जिसे आलंदूर पुलिस ने चोरी का कहकर बरामद किया था, उसे डेढ़ साल की जद्दोजहद के पश्चात गिरवी व्यापारी मुकेश शर्मा को लौटा दिया।माल की वापिस प्राप्ति के दौरान संघटन की तरफ से सहसचिव एम रमेश कुमार जी सेन मौजूद थे।इसी क्रम में माल की वापिस प्राप्ति के साक्षी संघटन के आलंदूर प्रभारी दिलीप सीरवी बने तमिलनाडु पौन ब्रोकेर्स एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानंद महाराज के नेतृत्व में संघटन ने अपनी शक्ति और उपयोगिता को सिद्ध कर दिया है बुधवार सुबह प्रदेशाध्यक्ष स्वामी ने सेंट माउंट पुलिस कार्यालय पहुंच कर माननीय पुलिस उपआयुक्त डिसीपी.के प्रभाकर आइपीएस शाल भेंट कर बहुमान किया।इसी क्रम में आलंदूर पहुंच कर सहायक पुलिस आयुक्त एसीपी जीवानंदम को न्याय दिलाने के लिए सम्मानित किया इस कार्यक्रम मे प्रदेश अध्यक्ष के साथ प्रदेश सहसचिव एम.रमेश कुमार सेन सघंठन के आवडी शाखा के अध्यक्ष सोहनलाल प्रजापत कोषाध्यक्ष मगंलाराम सीरवी पिडीत दुकानदार मुकेश शर्मा प्रदेश अध्यक्ष के निजी सचिव हनूमन्त सोलंकी मोजुद थे।

डीएम, एसएसपी ने एकीकृत कोविड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर में अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

एटा। जिलाधिकारी सुखलाल भारती एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार सिंह ने शासन के निर्देश के अनुपालन में देर शाम एकीकृत कोविड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस का खतरा अभी टला नहीं है, कंट्रोल रूम के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की सघन मॉनिटरिंग की जाए। स्वास्थ्य सेवा एवं अस्पताल परिसर में साफ-सफाई के संबंध में जानकारी अवश्य की जाए, जिससे कि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। डीएम, एसएसपी ने कहा कि कोविड संक्रमित मिलने के बाद मानक के अनुसार ही होम आइसोलेशन की सुविधा दी जाए, अन्यथा संक्रमित मरीजों को एलवन अस्पताल में ही भर्ती कराया जाए। वर्तमान में डेंगू का प्रकोप भी काफी ह, इस हेतु ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में फॉगिंग के साथ-साथ कैमिकल स्प्रे कराने में कोई लापरवाही न बरती जाए। बैठक में एडीएम वित्त एवं राजस्व केशव कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अरविंद कुमार गर्ग सहित अन्य चिकित्सक, कर्मचारीगण आदि मौजूद रहे।

भगवान श्रीकृष्ण को प्रसन्न करना ही मनुष्य का धर्म है

नारायणलाल सैणचा

मैसूर / बुधवार को श्रीमद् भागवत कथा व हरि नाम संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, श्रीमद्भागवत कथा पर पुष्प चढ़ाकर कर हरे कृष्णा हरे कृष्णा कृष्णा कृष्णा हरे हरे हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे का मधुर संकीर्तन से कार्यक्रम कि शुरुआत की गई कथाकार मदनलाल राजपुरोहित ने अपने प्रवचन मे कहा कि जो अपने सारे कार्यों को मुझमे अर्पित करके तथा अविचलित भाव से मेरी भक्ति करते हुए मेरी पूजा करते हैं और अपने चित्तों को मुझ पर स्थिर करके निरंतर मेरा ध्यान करते हैं उनके लिए है पार्थ मैं जन्म मृत्यु के सागर से शीघ्र उद्धार करने वाला हूं। यहां यह स्पष्ट कहां गया है कि भक्तजन अत्यंत भाग्यशाली है की भगवान उनका इस भवसागर से तुरंत ही उद्धार कर देते हैं शुद्ध भक्ति करने पर मनुष्य को इसकी अनुभूति होने लगती है की ईश्वर महान है और जीवात्मा उनके अधीन है उसका कर्तव्य है कि वह भगवान की सेवा करें और यदि वह ऐसा नहीं करता तो उसे माया की सेवा करनी होगी। जैसा पहले कहा जा चुका है कि केवल भक्ति से परमेश्वर को जाना जा सकता है अतएव मनुष्य को चाहिए कि वह पूर्ण रूप से भक्त बने भगवान को प्राप्त करने के लिए वह अपने मन को कृष्ण में पूर्णतया एकाग्र करें वह कृष्ण के लिए ही कर्म करें चाहे वह जो भी कर्म करें लेकिन वह कर्म केवल कृष्ण के लिए होना चाहिए भक्ति का यही आदर्श है भक्त भगवान को प्रसन्न करने के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं चाहता उसके जीवन का उद्देश्य कृष्ण को प्रसन्न करना होता है और कृष्ण की पुष्टि के लिए बस सब कुछ उत्सर्ग कर सकता है जिस प्रकार अर्जुन ने कुरुक्षेत्र के युद्ध में किया था यह विधि अत्यंत सरल है मनुष्य अपने कार्य में लगा रह कर हरे कृष्ण महामंत्र का कीर्तन कर सकता है ऐसे दिव्य कीर्तन से भक्त भगवान के प्रति आकृष्ट हो जाता है। यहां पर भगवान वचन देते हैं कि वे ऐसे शुद्ध भक्तों का तुरंत ही भवसागर से उद्धार कर देंगे जो योगाभ्यास में बढ़े चढ़े हैं वे योग द्वारा अपनी आत्मा को इच्छा अनुसार किसी भी लोक में ले जा सकते हैं और अन्य लोग इस अवसर को विभिन्न प्रकार से उपयोग में लाते हैं लेकिन जहां तक भक्तों का संबंध है उसके लिए यहां यह स्पष्ट कहा गया है कि स्वयं भगवान ही उसे ले जाते हैं वक्त को वैकुंठ में जाने के पूर्व अनुभवी बनने के लिए प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती इस अवसर पर श्री राजस्थान विष्णु सेवा ट्रस्ट के सलाहकार रतन चंद राजपुरोहित, सुंदर देवी राजपुरोहित, भवरलाल राजपुरोहित, वरेश पापन्ना,निर्मला राजपुरोहित, मिना राजपुरोहित, अंजुदेवी राजपुरोहित,पुनम राजपुरोहित, गगन राजपुरोहित मयुर राजपुरोहित खुशी राजपुरोहित रोशनी राजपुरोहित धीरज राजपुरोहित ऐशानि राजपुरोहित महिमा राजपुरोहित इस पावन अवसर पर उपस्थित थे।

टी वी चैनल के चर्चित तेज तर्रार पत्रकार की गिरफ्तारी के खिलाफ

श्योपुर भाजपा नेताओं ने जलाया महाराष्ट्र मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का पुतला

टीवी चैनल के चर्चित तेज तर्रार पत्रकार अर्नब गोस्वामी के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस की कार्रवाई पर श्योपुर भाजपा नेताओं ने कड़ा प्रतिरोध जताया है! महाराष्ट्र कांग्रेस सरकार की तानाशाही करार देने के साथ प्रेस की आजादी पर हमला करार दिया है। भाजपा नेता इसे कांग्रेस के इशारे पर की गई कार्रवाई बताने से भी नहीं चूक रहे! गोस्वामी पर कार्रवाई बदले की भावना से नहीं की गई है। लेकिन भाजपा नेताओं का देश व्यापी विरोध प्रदर्शन जारी है। इसी कड़ी में श्योपुर के जय स्तम्भ चौक पर श्योपुर भाजपा नेताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया और महाराष्ट्र सरकार के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शवयात्रा निकाल कर जयस्तंभ पर पुतला जलाया और कांग्रेस मुर्दाबाद के नारे लगाए इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र जाट, दौलतराम गुप्ता, अशोक गर्ग, कैलाश नारायण गुप्ता, ब्रजराज सिंह चौहान, प्रदीप ठाकुर, नंदकिशोर गौड़, श्रीमति मितलेश तोमर, श्रीमती सुधा तोमर, महेश राठौर, शशांक भूषण, रामलखन नापाखेड़ली, वीर मीणा, एवं अन्य भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्त्ता मौजूद रहे!!

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पदस्थ सफाईकर्मियों ने पहुंचकर राष्ट्र भक्त युवा संगठन के पदाधिकारियों का किया स्वागत

श्योपुर जिले में वर्षों से जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर सफाई कर्मी का काम करने वाले सफाई कर्मियों को न्यूनतम वेतन दिया जाता था कोई को दो हजार तो कोई चार हजार प्रति माह के हिसाब से काम करते थे जबकि शहरी जिला अस्पताल मे पदस्थ सफाई कर्मियों को 8275 मिलते है काम वही लेकिन वेतन कि विसंगति थी इस बात को राष्ट्र भक्त युवा संगठन ने प्रमुखता से उठाया और मुख्य जिला चिकित्सालय अधिकारी बीएल यादव को ज्ञापन सौपा और उनको अवगत कराया कि मंहगाई के इस दौर मे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर पदस्थ सफाई कर्मी न्यूनतम वेतन पर काम कर रहे है इतने कम वेतन मंहगाई के दौर मे घर चलना मुश्किल हो गया है वर्षों से इन सफाई कर्मियों का वेतन नही बढा है जिनका वेतन भी शहरी क्षेत्र जिला अस्पतालों मे पदस्थ सफाईकर्मियों के 8275 रूपये के बराबर हो संगठन कि मांग को गंभीरता से लेते हुये मुख्य जिला चिकित्सालय अधिकारी बीएल यादव ने जिले के समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पदस्थ सफाई कर्मियों का वेतन 8275 रूपये कर दिया है डबल वेतन पाकर सफाईकर्मियों की खुशी चेहरे पर साफ दिखाई दे रही है प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर पदस्थ सफाई कर्मियों का वेतन बढाने पर राष्ट्र भक्त युवा संगठन कि और से मुख्य जिला चिकित्सालय अधिकारी बीएल यादव को आभार पत्र प्रस्तुत किया और उनसे आग्रह किया कि जिले के जिला अस्पतालों मे पदस्थ सफाई कर्मी जिन्हें काम करते हुये 10 साल से अधिक हो गये उन सफाई कर्मियों को स्थाई किया जाये जिस पर मुख्य जिला चिकित्सालय अधिकारी द्वारा संगठन को आश्वासन दिया शीघ्र ऐसा प्रस्ताव बनाकर जिला कलेक्टर से अनुमोदन करवाकर शासन को भेजकर शासन से ऐसी मांग करेंगे इस अवसर पर दीनू मीणा परसावत नंदू मीणा बांडी खेडा, मनोज गौतम , विनोद बाल्मीकि, रामलखन बाल्मीकि,सोनू बाल्मीकि, कांतीबाई,लाड बाई आदि मौजूद थे।।

एसडीएम केआर चौकीकर ने किया खोड़ क्षेत्र का दौरा

रिपोर्टर-ठाकुरदास लोधी

पिछोर। पिछोर अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न ग्रामों का दौरा पिछोर अनुविभागीय अधिकारी केआर चौकीकर के द्वारा किया गया। साथ ही लोगों की समस्याएं भी सुनी। पिछोर अनुविभागीय अधिकारी के पास विगत दिनों से लगातार लोगों के द्वारा अनेकों समस्याओं को लेकर शिकायत पहुंच रही थी जिनको गंभीरता से लेते हुए पिछोर अनुविभागीय अधिकारी केआर चौकीकर के द्वारा विगत दिवस ग्रामों का दौरा करते हुए जहां गणेश खोड़ा में शासकीय उचित मूल्य की दुकान की जांच की तो वही खोड़ पहुंचकर कुछ लोगों कि समस्याओं को भी गंभीरता से लिया जिसमें कुछ ग्रामीणों के द्वारा अनुविभाग अधिकारी से आग्रह किया कि खोड़ के पास लगे हुए तालाब से अनेक लोग बड़ी-बड़ी मोटर पंप आदि रखकर पहाड़ी पर लगी हुई गौचर आदि की शासकीय भूमि पर खेती कर सिंचाई कर रहे है। क्योंकि खोड़ का यह तालाब खोड़ के जलस्तर को नियत्रित करता है तथा इसी तालाब से ग्राम व आसपास के पशु पानी पीते हैं परंतु कुछ लोगों के द्वारा अवैध रूप से तालाब से पानी निकाला जा रहा है जिससे तालाब सूख जाएगा और ग्राम के लोगों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ेगा समस्या को गंभीरता से लेते हुए अनुविभागीय अधिकारी के द्वारा तुरंत ही चौकी प्रभारी को निर्देशित किया की जो भी व्यक्ति तालाब से पानी निकाल रहे है उनके मोटर पंप आदि जप्त कर उनके विरुद्ध कार्यवाही करें साथ ही खोड़ में कुछ लोगों के द्वारा अवैध निर्माण किया जा रहा है।

कोराना काल के दौरान मनरेगा योजना के कार्यों की शुरुआत की गई

पाली. नरेश कुमार सिरवी. विश्वव्यापी महामारी के चलते कोराना काल के दौरान गरीब वर्ग के परिवार एवं मध्यम वर्ग के परिवार के लिए मुख्य सहायक सरकार बनी मनरेगा योजना.विश्वव्यापी महामारी के बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा लगाया गया महत्वपूर्ण लॉकडाउन के चलते आमजन को मनरेगा योजना के तहत काफी राहत मिली. कोराना काल से आई बेरोजगारी के कारण मध्यम वर्ग एवं गरीब वर्ग के परिवार के लिए मनरेगा योजना के तहत मिला रोजगार जिसमें आम जनता को काफी राहत मिली. रानी पंचायत समिति के अंतर्गत ग्राम पंचायत.चाचोडी. मास्टर रोल मेट भंवर लाल मीणा द्वारा बताया गया कि विश्वव्यापी महामारी के चलते आई बेरोजगारी के कारण मनरेगा योजना से आमजन को काफी राहत मिली जिसमें हर गरीब वर्ग के परिवार को समय समय पर रोजगार मिला. जिला प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार ग्राम पंचायत के निर्देश के अनुसार मनरेगा योजना के कार्य स्थल पर सामाजिक दूरी की पूरी पालना करते हुए मनरेगा योजना के तहत कार्य करवाया जा रहा है. मास्टर रोल मेट भंवर लाल मीणा द्वारा बताया गया कि मनरेगा योजना के तहत संपूर्ण श्रमिकों को प्रतिदिन सामाजिक दूरी एवं मास्क संबंधित विशेष दिशा-निर्देश भी दिए जा रहे हैं. स्वच्छता के प्रति संपूर्ण श्रमिकों को दिशा निर्देश के साथ कोविड-19 के फैलाव को रोकने के लिए अन्य महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं. मनरेगा योजना के तहत चल रहे कार्य स्थल पर समय-समय पर संपूर्ण श्रमिकों को सामाजिक दूरी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कार्य करवाया जा रहा है.विश्वव्यापी महामारी के बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए ग्राम पंचायत एवं जिला प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार मनरेगा योजना के तहत श्रमिकों से कार्य करवाया जा रहा है।

बस स्टैंड सेवड़ा पर घायल गौ माता का बच्चा गंभीर

सेवड़ा। आज बस स्टैंड सेवड़ा पर शत्रु सिंधी भरत सिंधी के द्वारा सूचना दी गई कि बस स्टैंड सेवड़ा पर एक घायल गौ माता का बच्चा बहुत ही गंभीर दयनीय स्थिति में पड़ा हुआ है शत्रु सिंधी की सूचना पर समाज सेवा टीम की ओर से श्यामू ठाकुर तत्काल बस स्टैंड पर सेवड़ा अस्पताल में पदस्थ कंपाउंडर तुकाराम बाथम को साथ में लेकर तत्काल बस स्टैंड पर पहुंचे और घायल गौमाता का तत्काल उपचार करवाया दवाई दी एवं जब तक गो माता पूर्ण रूप से स्वस्थ नहीं होगी गौ माता की देखरेख भरत सिंधी शत्रु सिंधी के द्वारा की जा रही है एवं बस स्टैंड पर श्यामू ठाकुर ने बस स्टैंड पर खड़े लोगों से कहा मानव जीवन हमें धर्म सेवा कार्य के लिए मिला है जिसमें हम सभी को आगे आकर ऐसे पुनीत कार्य करना चाहिए जब भी घायल गौमाता हो उनको देखकर वहां से छोड़कर हमें जाना नहीं चाहिए जैसे भी हो सेवा कार्य में लगे रहे यही हम सभी का धर्म है और जीव की सेवा करना ही परम धर्म है मनुष्य का सहयोग में महेश यादव कल्लू बाथम अभिषेक गुप्ता अनु परिहार सुमित चौरसिया।

दतिया में ट्रेन से टकरा कर घायल हुआ व्यक्ति डायल-100 सेवा ने पहुँचाया अस्पताल

दतिया। राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-100 भोपाल में सूचना प्राप्त हुई कि जिला दतिया के थाना गोराघाट क्षेत्र के कोटरा में एक व्यक्ति ट्रेन से टकरा कर ओवर ब्रिज से नीचे गिर गया है, घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाने के लिए पुलिस सहायता चाहिए । उक्त सूचना प्राप्ति पर थाना गोराघाट एवं जी. आर. पी. थाने को सूचित कर जिले की डायल-100 एफ.आर.व्ही. क्र. 01 को घटना का विवरण देकर रवाना किया गया । डायल-100 स्टाफ प्रधान आरक्षक धन सिंह और पायलेट मजीद खान ने घटना स्थल पर पहुँचकर बताया कि एक व्यक्ति ट्रेन से टकरा कर ओवर ब्रिज से नीचे गिर कर घायल अवस्था मे पड़ा था । डायल-100 एफ.आर.व्ही. वाहन द्वारा घायल व्यक्ति को जिला अस्पताल दतिया मे भर्ती कराया गया जहाँ उपचार किया जा रहा है ।

गाँव मे नही हुआ विकास?

पुष्पांजलि रिपोर्टर अंकित

आरैया। अजीतमल ब्लाक के ग्राम पंचायत जगनपुर मे प्रधान द्वारा कोई साफ सफाई ना होने पर ग्राम के लोगो मे गुस्सा शौचालयों भी पूर्ण रूप से अधूरे पड़े पंचायत भवन भी गंदगी से भरे आजतक कोई भी सफाईकर्मचारी इन भवनों की सफाई कार्य मे नहीं आया।

अब सेना में समय से पहले रिटायर होने वालों की पेंशन होगी कम

पेंशन होगी कम, डीएमए की सिफारिश के बारे में सबकुछ

नई दिल्ली।सैन्य मामलों के विभाग (डीएमए) ने एक बड़ी सुधार पहल के तहत समय पूर्व सेवानिवृत्ति लेने वाले सैन्यकर्मियों की पेंशन में महत्वपूर्ण कटौती करने तथा कुछ श्रेणियों के अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने की सिफारिश की है। अधिकारियों ने बताया कि प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत की अध्यक्षता वाले डीएमए का कदम संसाधनों और श्रमशक्ति का पर्याप्त इस्तेमाल सुनिश्चित करने पर केंद्रित सिलसिलेवार सुधारों का हिस्सा है।

नए प्रस्ताव में क्या -नए प्रस्ताव के अनुसार सेना में कर्नल, ब्रिगेडियर और मेजर जनरल तथा नौसेना और वायु सेना में उनके समकक्षों के सेवा निवृत होने की आयु क्रमश 57, 58 और 59 वर्ष होगी। अभी यह आयु सीमा क्रमश 54, 56 और 58 वर्ष है। लेफ्टिनेंट जनरल और उनसे उपर के अधिकारियों के मामले में कोई बदलाव नहीं किया गया है। लॉजिस्टिक्स, टेक्निकल, मेडिकल (ईएमई और एएससी सहित) जवानों

और जेसीओ की तीनों सेनाओं में सेवा निवृत्ति की उम्र 57 वर्ष करने का प्रस्ताव है।

पेंशन को लेकर क्या प्रस्ताव -नए प्रस्ताव में पेंशन को सेवा की अवधि से जोड़ने की बात कही गई है। इसके अनुसार 20 से 25 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत होने वाले को 50 प्रतिशत, 26 से 30 वर्ष की सेवा करने पर 60 प्रतिशत, 30 से 35 वर्ष की सेवा करने वाले को 75 प्रतिशत तथा 35 वर्ष से अधिक सेवा करने वाले को पूरी पेंशन दी जाएगी। पेंशन में कमी के बारे में यह तर्क दिया गया है कि कई बार पद रिक्त न होने और कुछ सेवा शर्तों के चलते बड़ी संख्या में जवान तथा अधिकारी सेवानिवृत हो जाते हैं। इन्हें कई क्षेत्रों में कौशल का विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है और यदि ये प्रशिक्षित लोग समय से पहले सेवानिवृत हो जाते हैं तो यह सशस्त्र सेनाओं के लिए नुकसान है। इसे देखते हुए पेंशन की समीक्षा करने का निर्णय लिया जा रहा है। युद्ध में मारे जाने वालों की पेंशन में किसी तरह के बदलाव का प्रस्ताव नहीं है।

सेना में विरोध शुरू -मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेंशन का फॉर्मूला बदलने के प्रस्ताव का सेना के अधिकारी विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे उन अफसरों को आर्थिक नुकसान हो सकता है, जो अभी रिटायर होने वाले हैं। इस प्रस्ताव को अदालत में चुनौती देने की बात कही जा रही है।

किसानों के हित में सीएम योगी का बड़ा फैसला, मंडी टैक्स घटाने का ऐलान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने किसानों को दिवाली का तोहफा देते हुए मंडी टैक्स घटाने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने किसानों को मंडियों में बेहतर सुविधा प्रदान करने एवं मंडियों में कार्य कर रहे व्यापारियों के प्रोत्साहन हेतु मंडी शुल्क की दर को 02 प्रतिशत से घटाकर मात्र 01 प्रतिशत किए जाने का आदेश दिया है। मंडियों में विकास कार्यों को गति प्रदान के लिए विकास शुल्क की दर (0.5 प्रतिशत) यथावत रहेगी। अतः अब मंडी परिसर के अंदर व्यापार करने पर वर्तमान में लागू 2.5 प्रतिशत के स्थान पर कुल 1.5 प्रतिशत कर ही देय होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी है।

दीपावली से पहले 14.82 लाख राज्यकर्मियों को बोनस का तोहफा

कोविड के कारण बदली परिस्थितियों में भी प्रदेश के 14.82 लाख अराजपत्रित राज्य कर्मचारियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली से पहले बोनस का तोहफा दिया है। बोनस की अधिकतम धनराशि 7000 रुपये तय की गई है। 25 फीसदी धनराशि का भुगतान नगद और 75 फीसदी धनराशि कर्मचारी के भविष्य निधि

(जीपीएफ) खाते में जमा की जाएगी। बोनस दिए जाने पर सरकार के खजाने पर 1022.75 करोड़ का भार पड़ेगा। गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बोनस दिए जाने की मंजूरी दी। इसका लाभ राज्य के 14 लाख 82 हजार 187 कर्मचारियों को मिलेगा। बोनस दिए जाने की जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट के माध्यम से साझा किया है। 25 फीसदी नकद और 75 फीसदी जीपीएफ खाते में जमा होगा। बोनस की 75 प्रतिशत धनराशि कर्मचारी भविष्य निधि खाते में जमा की जाएगी, जबकि 25 प्रतिशत धनराशि का नकद भुगतान किया जाएगा। जो कर्मचारी भविष्य निधि खाते के सदस्य नहीं है, उन्हें धनराशि का आहरण कर उससे एनएससी प्रदान की जाएगी अथवा संबंधित धनराशि पीपीएफ खाते में जमा की जाएगी। जो कर्मचारी अधिवर्षता की आयु पर 31 मार्च 2020 के बाद सेवानिवृत्त हो चुके हैं अथवा 30 अप्रैल 2021 तक सेवानिवृत्त होने वाले हैं, उनको बोनस की सम्पूर्ण धनराशि का नकद भुगतान किया जाएगा।

दैनिक वेतनभोगी भी पाएंगे बोनस-तदर्थ बोनस के भुगतान की गणना के लिए मासिक परिलब्धियों की अधिकतम सीमा ? 7000 रुपये होगी। 30 दिन की परिलब्धियां तदर्थ बोनस के रूप में दी जाएंगी। तदर्थ बोनस की सुविधा दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को भी मिलेगी। ऐसे दैनिक वेतन कर्मचारी जिन्होंने छह कार्य दिवसीय सप्ताह वाले कार्यालयों में 31 मार्च 2020 को 03 वर्ष अथवा उससे अधिक समय तक लगातार कार्य किया हो और प्रत्येक वर्ष कम से कम 240 दिन कार्य किया हो और 05 कार्य दिवसीय सप्ताह वाले कार्यालयों के मामले में 03 या इससे अधिक वर्ष में हर वर्ष 206 दिन कार्यरत रहे हों। दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के मामले में तदर्थ बोनस के आगणन के लिए अधिकतम मासिक परिलब्धियां ?1200 प्रतिमाह मानी जाएगी।

दोनों हाथ थे खराब तो पैरों से लिखकर पास किया बीटेक

नहीं मिली नौकरी तो अब बच्चों को फ्री में दे रहे शिक्षा

फर्रुखाबाद। मंज़िल उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है, पंखों से कुछ नहीं होता हौसले से उड़ान होती है। कांशीराम कॉलोनी में रहने वाले दिव्यांग एहतिशाम हैदर ने इसे कर दिखाया। बेजान हाथों के बावजूद पैरों से लिख कर पढ़ा और बीटेक तक कर लिया, लेकिन नौकरी नहीं मिली। फिर उन्होंने बच्चों को निःशुल्क पढ़ाने का बीड़ा उठाया। 8 साल से चल रहा यह क्रम लॉकडाउन में भी नहीं थमा। हाथ वालों से बेहतर लिखावट, पेंटिंग के साथ-साथ गायिकी में भी यू-ट्यूब पर धमाल मचा रहे हैं।

एहतिशाम जन्मजात दिव्यांग थे मगर उन्होंने कभी हार नहीं मानी। बीएससी के बाद बीटेक किया और अब एलएलबी कर रहे हैं। एहतिशाम का कहना है कि कई जगह नौकरी के लिए साक्षात्कार दिया। मगर दिव्यांगता के चलते नौकरी देने को तैयार नहीं है। वन अधिकारी के लिए भी चार साल पहले आवदेन किया था, पर उसमें नंबर नहीं आया। फिर एक दिन कांशीराम कॉलोनी के बच्चों को

इधर-उधर घूमते-हुड़दंग करते और नशा-पत्ती करते देखा तो उन्हें रहा नहीं गया। उन्होंने उन बच्चों के मां-बाप को बुलाया और उनसे बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रेरित किया। मगर सभी ने रुपये-पैसे न होने पर इनकार कर दिया। तब एहतिशाम ने कहा, हम इन बच्चों को फ्री में पढ़ाएंगे। आठ साल से उनकी क्लास नियमित चल रही है। सात वर्ष पहले एहतिशाम के पिता इस्लाम अहमद का इंतकाल हो चुका है। वह वैद्य थे । मां कुबरा बेगम कम पढ़ी-लिखी हैं। बहन गजाला तबस्सुम पर अचानक पूरे परिवार का भार आ गया। तब एहतिशाम ने गरीब बच्चों को फ्री में पढ़ाने के साथ 9वीं से 12वीं तक के बच्चों को ट्यूशन पढ़ाना शुरू किया ताकि घर-खर्च चलने में दिक्कत न आए। इस समय वह 25 बच्चों को पढ़ा रहे हैं। उनके पढ़ाए तमाम झोपड़-पट्टी के बच्चे हाईस्कूल-इंटर में प्रथम श्रेणी में पास हो चुके हैं। कूड़ा बीनने और मेहनत-मजदूरी करने वालों के घरों में शिक्षा की लौ जलाने वाले एहतिशाम को हर कोई जीभर के दुआएं देता है।

चित्रकारी-गायन का भी शौक, मिले कई सम्मान-एहतिशाम जब अपने खराब पैरों की उंगलियों से चित्रकारी करते हैं तो लोग हैरत में पड़ जाते हैं। वह आज भी दिन में एक-दो बार कोई न कोई चित्र अवश्य बनाते हैं। इसके साथ ही वह गायन के भी शौकीन हैं। यू-ट्यूब पर उनके बनाए गाने भी छाए रहे हैं। एहतिशाम के हौसले को देखते हुए तत्कालीन राज्यपाल राम नाइक भी उन्हें सम्मानित कर चुके हैं। इसके अलावा विभिन्न संस्थाओं की ओर से भी सम्मान पत्र मिले हैं।

मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद के बाद अब विधायक विजय मिश्र के घर पर चली जेसीबी

प्रयागराज। ज्ञानपुर से विधायक विजय मिश्र के प्रयागराज में अल्लापुर स्थित तीन मंजिला मकान को गुरुवार की शाम ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की गई। विकास प्राधिकारण के अधिकारी पुलिस और पीएसी के साथ मकान पर जेसीबी लेकर पहुँचे। पीडीए के जोनल अधिकारी सत शुक्ला ने बताया की गैंगस्टर कोर्ट ने 12 साल पहले मकान को सील कर दिया था। बिना नक्शा पास कराए मकान बनवाया गया था। इसी साल जून ने पीडीए ने मकान के खिलाफ ध्वस्तीकरण का आदेश पारित किया था। इसी मामले में हाई कोर्ट ने याचिका खारिज की थी। आयुक्त न्यायालय नर भी अपील खारिज कर दी थी। वही मौके पर पहुँची विधायक विजय मिश्र की पत्नी एमएलसी रामलली मिश्र का कहना था कि पीडीए ने घर से सामान निकलने का भी मौका नहीं दिया। हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ मकान गिराया जा रहा है।

5 गुर्गों की 65 करोड़ की सम्पत्ति होगी कुर्क-बाहुबली मुख्तार अंसारी के गिरोह को कमजोर करने के लिये लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस एक और बड़ी कार्रवाई करने जा रही है। अब मुख्तार के बेहद करीबी व रिटायर पुलिसकर्मी के बेटे अभिषेक सिंह उर्फ बाबू समेत पांच लोगों की करोड़ों की सम्पत्ति गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क की जायेगी। अब तक पुलिस अपराध और अवैध तरीके से कमायी गई इन बदमाशों की करीब 65 करोड़ रुपये की सम्पत्ति का ब्योरा तैयार कर चुका है। इन पांचों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जा चुकी है। कमिश्नरेट पुलिस ने कुछ दिन पहले ही मुख्तार व उसके भाई की अवैध सम्पत्ति और हिस्ट्रीशीटर राम सिंह की 150 करोड़ रुपये की सम्पत्ति कुर्क की थी। माफिया के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत लखनऊ में दो महीने में 28 बदमाशों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जा चुकी है। 22 सितम्बर को मुख्तार के गुर्गों की धरपकड़ के लिये एक साथ 48 टीमों ने 42 स्थानों पर दबिश दी थी। इसमें 11 लोग गिरफ्तार किये गये थे। इनमें ही अभिषेक सिंह शामिल था। अभिषेक का ट्रांसगोमती क्षेत्र में काफी दबदबा था। लिहाजा उस पर सख्ती करते हुए मड़ियांव पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट कुछ दिन पहले लगा दिया था। इसके बाद ही अभिषेक की सम्पत्ति का ब्योरा खंगालना शुरू कर दिया गया था।

सोशल मीडिया का दो साल तक इस्तेमाल नहीं करने की शर्त पर हाईकोर्ट से जमानत

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति को इस शर्त के साथ जमानत दी कि वह दो साल तक सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करेगा। इस मामले में याचिकाकर्ता के खिलाफ आरोप है कि उसने प्रदेश के मुख्यमंत्री और अन्य जनप्रतिनिधियों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जमानत मंजूरी का आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ द्वारा पारित किया गया। आरोपी अखिलानंद के खिलाफ देवरिया के कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया कि अखिलानंद ने प्रदेश के मुख्यमंत्री और अन्य जनप्रतिनिधियों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की। यह भी आरोप लगाया गया कि उसने अपना गलत स्टेटस दर्शाया और अनुचित लाभ लेने का प्रयास किया। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि पुलिस द्वारा झूठा फंसाने का मामला है और उनका मुवक्किल 12 मई, 2020 से जेल में है। आरोपी को जमानत देते हुए अदालत ने कहा, भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 और दाताराम बनाम उत्तर प्रदेश सरकार के मामले में उच्चतम न्यायालय के आदेश पर विचार करने के उपरांत उक्त अपराध में संलिप्त आरोपी को रिहा किया जाता है, बशर्ते वह संबंधित अदालत की संतुष्टि के मुताबिक एक निजी मुचलका भरे और दो जमानतदार दे। अदालत ने याचिकाकर्ता पर यह कहते हुए एक शर्त भी लगाई कि याचिकाकर्ता दो साल तक या निचली अदालत में मुकदमा समाप्त होने तक जो भी पहले हो, सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करेगा।

18 नवंबर तक रहेंगे जेल में या मिलेगी बेल? अर्नब गोस्वामी की जमानत अर्जी पर आज सुनवाई कर सकता है बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई। आत्महत्या के लिए उकसाने के दो साल पुराने केस में मुंबई पुलिस ने रिपब्लिक टीवी के एडिटर अर्नब गोस्वामी को बुधवार सुबह गिरफ्तार किया। देर शाम अर्नब गोस्वामी की रायगढ़ जिले में अलीबाग की एक अदालत पेशी हुई, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें 18 नवंबर तक यानी 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अर्नब पर 2018 में एक अन्वय नाइक और उनकी मां को खुदकुशी के लिए उकसाने का आरोप है। रिमांड आदेश लगभग छह घंटे की मैराथन सुनवाई के बाद दिया गया। हालांकि, अर्नब के वकील ने बॉम्बे हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की है, जिस पर आज सुनवाई हो सकती है। सुसाइड केस- रिपब्लिक टीवी के एडिटर-इन-चीफ अर्नब गोस्वामी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। अदालत द्वारा अर्नब गोस्वामी को न्यायिक हिरासत में भेजने के बाद उनके वकील आबाद पोंडा और गौरव पारकर ने जमानत के लिए याचिका बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल की है और अर्नब की गिरफ्तारी को चुनौती दी है। वकील पोंडा के मुताबिक, कोर्ट ने पुलिस से अपना जवाब दाखिल करने को कहा है और मामले को गुरुवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। वकील पोंडा ने कहा कि कार्यवाही देर तक चलने के कारण अर्नब गोस्वामी को रात में थाने में रखा गया। दरअसल, बुधवार की सुबह अलीबाग पुलिस की एक टीम ने अर्नब गोस्वामी को लोअर परेल स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा, अलीबाग पुलिस ने धारा 306 और 34 के तहत गोस्वामी को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी 2018 में एक व्यक्ति और उनकी मां की आत्महत्या से जुड़े मामले में की गई है। हमारे पास उनके खिलाफ सबूत भी हैं। उन्होंने कहा, जब हमने गोस्वामी की पत्नी को गिरफ्तारी की सूचना दी तो, उन्होंने कागज फाड़ दिए। गोस्वामी को मुंबई से 90 किलोमीटर दूर अलीबाग पहुंचते ही स्थानीय अदालत के समक्ष पेश किया गया। वरिष्ठ पत्रकार के वकील ने गोस्वामी पर हमला किए जाने का आरोप लगाया, जिसके बाद अदालत ने पुलिस से कहा कि वह चिकित्सकीय जांच के लिए अर्नब को सिविल अस्पताल ले जाए। गोस्वामी के वकील गौरव पारकर ने बताया कि गोस्वामी को अलीबाग की मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया, जहां उन्होंने उनके घर में सुबह घुसे पुलिस दल पर उन पर शारीरिक रूप से हमला करने का आरोप लगाया। मजिस्ट्रेट ने आरोपों का संज्ञान लिया और पुलिस को चिकित्सकीय जांच के लिए अर्नब को सिविल अस्पताल ले जाने का निर्देश दिया। अर्बन गोस्वामी के अलावा सुसाइड के लिए उकसाने के मामले में गिरफ्तार दो अन्य आरोपी फिरोज मोहम्मद शेख और नितेश सारदा हैं। उन्हें अदालत में पेश किया गया और 18 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

क्या है पूरा मामला-वर्ष 2018 में 53 साल के इंटीरियर डिजाइनर अन्वय नाइक और उसकी मां ने आत्महत्या कर ली थी। इस मामले की जांच सीआईडी कर रही है। अन्वय की पत्नी अक्षता ने इस साल मई में आरोप लगाया था कि उनके पति ने रिपब्लिक टीवी के स्टूडियो में इंटीरियर का काम किया था। इसके लिए 500 मजदूर लगाए गए थे, लेकिन अर्नब ने बाद में 5.40 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया। इससे उनका परिवार तंगी में आ गया। परेशान होकर अन्वय ने अपनी बुजुर्ग मां के साथ खुदकुशी कर ली। अन्वय ने कथित तौर पर सुसाइड नोट में भी अर्नब और दो अन्य पर आरोप लगाया था। इस वर्ष मई में महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने आर्किटेक्ट अन्वय नाइक की बेटी आज्ञा नाइक की नई शिकायत के आधार पर फिर से जांच का आदेश दिए जाने की घोषणा की थी। देशमुख ने कहा कि आज्ञा ने आरोप लगाया है कि अलीबाग पुलिस ने गोस्वामी के चैनल द्वारा बकाया भुगतान नहीं करने के मामले में जांच नहीं की। उसका दावा है कि इस कारण ही उसके पिता और दादी ने मई 2018 में आत्महत्या कर ली थी।

लद्दाख में तनाव पर कब निकलेगा हल? भारत-चीन के बीच कोर कमांडर स्तर की आठवें दौर की बातचीत कल

नई दिल्ली। भारतीय सेना शुक्रवार को होने जा रही कोर कमांडर स्तर की आठवें दौर की वार्ता में पूर्वी लद्दाख में गतिरोध वाले सभी स्थानों को लेकर चीन को कड़ा मैसेज देने की तैयारी कर रही है। सेना सभी इलाकों से चीनी सैनिकों की पूर्ण वापसी पर जोर देगी। आधिकरिक सूत्रों ने गुरुवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि बैठक शुक्रवार को सुबह साढ़े नौ बजे पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय क्षेत्र की तरफ चुशूल में होगी। पूर्वी लद्दाख में हाड़ जमा देने वाली सर्दी में भारत के लगभग 50,000 सैनिक किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पर्वतीय ऊंचाइयों पर तैनात हैं। छह महीने से चले आ रहे इस गतिरोध को लेकर दोनों देशों के बीच पूर्व में हुई कई दौर की बातचीत का अब तक कोई ठोस परिणाम नहीं निकला है। अधिकारियों के अनुसार चीनी सेना ने भी लगभग 50,000 सैनिक तैनात कर रखे हैं। कोर कमांडर स्तर की पिछले दौर की वार्ता 12 अक्टूबर को हुई थी, लेकिन इसका भी कोई ठोस परिणाम नहीं निकला था। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल में कहा था कि भारत और चीन के बीच गंभीर तनाव है तथा सीमा प्रबंधन को लेकर दोनों पक्षों द्वारा किए गए समझौतों का सम्मान किया जाना चाहिए। आठवें दौर की वार्ता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लेफ्टिनेंट जनरल पीजीके मेनन करेंगे जो लेह आधारित 14वीं कोर के नए कमांडर हैं।

पश्चिम बंगाल में 11 नवंबर से फिर से शुरू होंगी लोकल ट्रेन सेवाएं- रेल मंत्री

नई दिल्ली। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकल ट्रेन सेवाएं 11 नवंबर से फिर से शुरू होंगी। यह सेवा मार्च से बंद थी जब कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए देशव्यापी तालाबंदी की घोषणा की गई थी। गोयल ने एक ट्वीट में कहा, रेलवे पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ 11 नवंबर से पश्चिम बंगाल में उपनगरीय सेवाओं को बहाल करेगा। इससे यात्रियों की सुविधा बेहतर होगी और लोगों के लिए सुगम यात्रा की सुविधा प्रदान की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण पूर्व रेलवे को सेवाओं को फिर से शुरू करने की मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने कहा, पूर्वी, दक्षिण पूर्वी रेलवे और पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों ने कोलकाता उपनगरीय सेवाओं को चलाने के लिए एसओपी तैयार करने को लेकर आज बैठक की।

संपादकीय

वादे हैं वादों का क्या

कोरोना वायरस के संक्रमण ने दुनिया के सामने जिस तरह का संकट पेश किया है, उसमें रहीम को याद किया जाना बहुत जरूरी है। वह कहते हैं- रहिमन विपदा हू भली, जो थोरे दिन होय/ हित अनहित या जगत में, जान परत सब कोय। यानी अगर विपदा थोड़े दिन के लिए आ जाए, तो वह बेहतर होती है, इससे इस बात की परख हो जाती है कि इस दुनिया में कौन हमारा सच्चा हितैषी है और कौन नहीं। हालांकि, यहां प्रसंग रहीम का नहीं, बल्कि यू-गॉव कैंब्रिज ग्लोबलिज्म प्रोजेक्ट के एक सर्वे का है। 2020 में हुए इस सर्वे के नतीजे लगभग वही कह रहे हैं, जो सदियों पहले रहीम ने कह दिया था। दुनिया के 25 देशों में यह सर्वे इस बात पर किया गया कि लोकलुभावन वादे और बड़ी-बड़ी बातें करने वाले राजनेताओं की लोकप्रियता कोरोना वायरस संकट के दौरान कैसी है? यह सर्वेक्षण एक ऐसे दौर में हुआ है, जब पिछले एक दशक से हमें यह लगने लगा है कि दुनिया भर में लोकलुभावन वादे करने वाले नेताओं का दौर लौट आया है। बेशक यह दौर कोरोना वायरस संकट से पहले ही आ गया था, लेकिन यह संकट उनके वादों, उनकी बातों और उनकी क्षमताओं का इम्तिहान बन गया। हालांकि, यह पूरा सर्वेक्षण मूल रूप से यूरोप केंद्रित है, लेकिन पूरी दुनिया की राजनीति के लिए इसके सबक बहुत महत्वपूर्ण हैं। खासकर, उन लोकतांत्रिक देशों में, जहां खुली स्पर्द्धा से नेतृत्व का रास्ता तैयार होता है। एक तरफ ऐसे खुले समाजों में आगे बढ़ने की संभावनाएं अनंत होती हैं, तो दूसरी तरफ यह खुलापन राजनीति को लोकलुभावन होने की जमीन भी देता है। सर्वेक्षण बताता है कि ऐसे नेताओं की लोकप्रियता काफी तेजी से घटी है। जब लोग यह उम्मीद कर रहे थे कि हमारे नेता हमें संकट से निकाल लेंगे, तो ऐसे नेता उम्मीद पर खरे नहीं उतरे। सर्वेक्षण में यह पाया गया कि यूरोप के जिन भी देशों में इस तरह के दलों और नेताओं की सरकारें हैं, उन सभी में ऐसे नेताओं की लोकप्रियता तेजी से घटी है। यह बात अलग है कि किसी में कम तेजी से घटी है और किसी में बहुत तेजी से। मसलन, अगर हम डेनमार्क को लें, तो वहां ऐसे नेताओं की लोकप्रियता पहले के मुकाबले महज 22 फीसदी रह गई है। ब्रिटेन और जर्मनी में यह गिरावट कम है। उन नेताओं की लोकप्रियता भी काफी गिरी है, जो जब सत्ता में नहीं थे, तो लोगों को यह बताते थे कि देश दो हिस्सों में बंटा हुआ है, एक तरफ, आम लोग हैं और दूसरी तरफ, भ्रष्ट प्रभु-वर्ग है, जो आम लोगों का विकास नहीं होने देता। और लोगों ने पाया कि बाद में जब ऐसे नेता खुद सत्ता में आए, तो उनकी स्थिति में जरा भी फर्क नहीं ला सके। तो क्या इसके बाद हम यह मान लें कि लोग अब पूरी तरह समझ गए हैं और भविष्य में वे किसी के भी झांसे में नहीं आएंगे? शायद इस सवाल का जवाब इतना सीधा नहीं है। सच सामने आ गया है, लेकिन बहुत खुश होने की जरूरत भी नहीं है। एम्सटर्डम यूनिवर्सिटी के राजनीतिक समाजशास्त्री मथिजिस रुदजिन का कहना है कि कोरोना वायरस ने इनकी सच्चाई जरूर दिखा दी है, लेकिन इसने आर्थिक संकट भी पैदा किया है, जो भविष्य के लिए लोकलुभावन राजनीति की एक नई जमीन तैयार कर सकता है।

गरीब होती बुजुर्ग आबादी

सुविज्ञा जैन

सरकारी क्षेत्र में काम करने वालों के पास भले ही दशकों से सामाजिक सुरक्षा का कवच बना हुआ है, लेकिन निजी क्षेत्र में यह कवच बहुत ही पतला है। निजी क्षेत्र में भी सिर्फ संगठित निजी क्षेत्र में सामाजिक सुरक्षा का थोड़ा-सा इंतजाम है। लेकिन भारी-भरकम असंगठित क्षेत्र में यह व्यवस्था लगभग शून्य ही है। छोटे से संगठित निजी क्षेत्र में पेंशन के नाम पर जो रकम मिलती है, उससे तो महीने भर क्या हफ्ते भर का भी गुजारा भी संभव नहीं है। वरिष्ठ नागरिक, नौकरियों से रिटायर हुए लोग या उम्र के कारण अब आगे और काम नहीं कर पाने वाले लोग यानी देश की बुजुर्ग आबादी आज जिस हाल में है, उसे संतोषजनक कतई नहीं कहा सकता। खासतौर से बात जब आर्थिक सुरक्षा की आती है तो मामला गंभीर चिंता पैदा करता है। देश में बुजुर्गों की हालत पर विश्वसनीय शोध अध्ययन उपलब्ध नहीं है।

ऐसे में यदा-कदा मीडिया में आने वाली रिपोर्ट या आलेखों के आधार पर ही एक सामान्य-सा अनुभव यह बनता है कि बुजुर्ग आबादी के संकट गहराते जा रहे हैं। वैसे लोकतांत्रिक व्यवस्था वाली सरकारें समय-समय पर बुजुर्गों के कल्याण की चर्चा करती रही हैं। भारत में पिछले दो दशकों में सरकारों की तरफ से बुजुर्गों की सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देने का जो जिक्र मिलता है, उनमें 1999 की नेशनल पॉलिसी ऑन ओल्डर पर्सन्स, 2004 की नेशनल पेंशन स्कीम और 2007 में बना मेंटेनेंस एंड वेलफेयर ऑफ पेरेंट्स एंड सीनियर सिटीजंस एक्ट प्रमुख कवायदें हैं। इस समय भी एक नया मसविदा तैयार करने की कवायद चल रही है, जिसका नाम है- ड्राफ्ट नेशनल पॉलिसी फॉर सीनियर सिटीजंस। लेकिन बुजुर्गों के लिए नई नीति की बात ऐसे समय में हो रही है जब सरकारी खजाना भारी मुश्किल के दौर में है। लिहाजा यह अंदाजा लगा पाना मुश्किल नहीं है कि बुजुर्गों के कल्याण के लिए सरकारी तौर पर इस बार भी कितना कुछ सोचा जा पाएगा।

अगर नई नीति के मसविदे की प्रकिया चालू है तो हमें यह जरूर याद रखना चहिए कि सरकारी क्षेत्र में काम करने वालों के पास भले ही दशकों से सामाजिक सुरक्षा का कवच बना हुआ है, लेकिन निजी क्षेत्र में यह कवच बहुत ही पतला है। निजी क्षेत्र में भी सिर्फ संगठित निजी क्षेत्र में ही सामाजिक सुरक्षा का थोड़ा-सा इंतजाम है। लेकिन भारी-भरकम असंगठित क्षेत्र में यह व्यवस्था लगभग शून्य ही है। छोटे से संगठित निजी क्षेत्र में पेंशन के नाम पर जो रकम मिलती है, उससे तो महीने भर क्या हफ्तेभर का भी गुजारा भी संभव नहीं है। जबकि इस पेंशन के बनने मे आधा योगदान कर्मचारी का भी होता है। वे सेवा काल में अपनी तनख्वाह का एक हिस्सा कटवा कर इस पेंशन कोष में जमा करते हैं। हैरत की बात तो यह है कि वे अपनी पुख्ता सामाजिक सुरक्षा के लिए यदि वेतन से ज्यादा रकम कटवा कर ज्यादा योगदान करना भी चाहें तो नियम इसकी इजाजत नहीं देते। ऐसे में पर्याप्त पेंशन के बारे में ज्यादा चर्चा होने नहीं दी जाती। वैसे एक हकीकत यह भी है कि छोटे से संगठित निजी क्षेत्र के कामगारों के लिए मानवोचित पेंशन की बात सिरे चढ़ भी जाए तो भी देश के बुजुर्गों की पूरी तस्वीर पर कोई खास फर्क पड़ेगा नहीं। ऐसा इसलिए कि अभी देश का लगभग सारा काम-धाम असंगठित क्षेत्र ही करता आ रहा है। एक मोटा अनुमान है कि देश के कुल कार्यबल में असंगठित क्षेत्र की हिस्सेदारी तिरानवे फीसद है। सरकारी पेंशन और गैरसरकारी पेंशन वालों की तादाद तो बहुत ही मामूली है। इस सिलसिले में एक बार देश में पेंशन प्रणाली के दायरे में आने वालों की संख्या पर भी नजर डाल लेनी चाहिए। मौजूदा हालात यह है कि एक सौ तीस करोड़ से ज्यादा आबादी वाले देश में लेखे में लेने लायक कोई एक सार्वभौमिक पेंशन प्रणाली नहीं है।

यही कारण है कि दुनिया के सैंतीस देशों के बीच जब वैश्विक स्तर पर पेंशन प्रणाली का आकलन किया गया तो भारत का स्थान बत्तीसवां निकला। देश में कार्ययोग्य कुल आबादी में सिर्फ साढ़े सात फीसद नागरिक ही मौजूदा पेंशन योजना के दायरे में हैं। यह आंकड़ा बताता है कि भविष्य में बुजुर्गों के सामने सामाजिक सुरक्षा का कितना बड़ा संकट खड़ा है। वरिष्ठ नागरिकों के बारे में अब तक सरकारों ने जो कुछ भी किया है, उस पर भी नजर डाल लेनी चाहिए। मसलन 1999 में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय नीति एनपीओपी बनी थी। उसके बाद 2004 में जब नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) वजूद में आया तो एक बड़ा बदलाव यह दिखा कि इसे कर्मचारी केंद्रित बना दिया गया। यानी कर्मचारी जब तक काम पर है, तब तक वह अपने रिटायर होने के बाद के गुजारे के लिए अपनी तरफ से भी पैसा देकर भविष्य का इंतजाम कर सके। लेकिन इस प्रणाली में असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए कोई उल्लेखनीय प्रावधान दिखाई नहीं दिया। अब जब नया मसविदा बन रहा है तो असंगठित क्षेत्र के उस तबके पर सबसे पहले ध्यान दिया जाना चाहिए। बेशक बुजुर्गों के लिए बीच-बीच में ऐसी योजनाओं का भी ऐलान होता रहा जिससे असंगठित निजी क्षेत्र के कामगार अपने कामधंधों के दिनों में अपनी आमदनी का एक हिस्सा खुद ही बचा कर रखने की आदत डाल सकें।

सार्वजनिक भविष्य निधि यानी पीपीएफ योजना इसी मकसद से लाई गई थी। इसमें जमा रकम पर ब्याज दर अन्य बचत योजनाओं के मुकाबले थोड़ी ज्यादा रखी गई थी। लेकिन यह इतनी आकर्षक कभी नहीं बन पाई कि लोकप्रिय हो जाती। आयकर में थोड़ी-सी छूट के आकर्षण में बचत जरूर की जाती रही और इसीलिए इसका लाभ खाते-पीते लोगों ने ही ज्यादा उठाया। लेकिन बुढ़ापे के लिए पैसा बचा कर रखने का मकसद इससे जुड़ नहीं पाया। कुछ समय पहले सरकार एक योजना लाई गई थी कि असंगठित क्षेत्र का कोई भी कामगार या कोई भी नागरिक हर महीने एक निश्चित रकम अपने भविष्य के लिए जमा करे, उतनी ही रकम सरकार भी मिला देगी। और फिर जब वह साठ साल का हो जाएगा तो उसे पेंशन मिला करेगी। लेकिन इस योजना में क्योंकि सरकार को भी आधे पैसे मिलाने थे, सो पेंशन की दर सिर्फ तीन हजार रुपए महीना ही रखी गई।

रुपए की मौजूदा हैसियत के लिहाज से यह रकम जब आज ही इतनी छोटी दिखाई देती है तो बीस से अड़तीस साल बाद इसका मूल्य क्या रह जाएगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसे में यह योजना कैसे लोकप्रिय हो पाती, यह सोचने वाली बात है। इस योजना की मौजूदा हालत यह हैं कि इतना वक्त गुजरने के बाद भी पचास लाख लोगों ने भी इसमें पंजीयन नहीं करवाया। हां, यह जरूर है कि इस योजना में सरकार के पास नागरिकों के अंशदान की रकम आ रही है और सरकार पर पेंशन देने की जिम्मेदारी बीस साल बाद आएगी। इस लंबे अंतराल में देश में सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और वैधानिक परिस्थितियां क्या बनेंगी, अभी से उनका अनुमान लगा पाना मुश्किल है। बुजुर्गों पर बात का एक पहलू यह भी है कि मसला सिर्फ भविष्य में बुजुर्ग होने वालों का ही नहीं है, बल्कि जो वरिष्ठ नागरिक हो चुके हैं या सेवानिवृत्त हो चुके हैं, उनकी संख्या भी तेजी से बढ़ी है। आज दिन तक साठ साल से ज्यादा उम्र के नागरिकों का अनुमान लगाएं तो यह संख्या लगभग तेरह करोड़ बैठती है। अगर अभी आठ फीसद बुजुर्गों को सुरक्षा के दायरे में मान कर चलें तो सीधे-सीधे ग्यारह करोड़ नब्बे लाख बुजुर्गों के पास इस समय सम्मानजनक या मानवोचित जीवन-यापन का सुरक्षा कवच नहीं है।

बुजुर्गों के बारे में अगर कोई नई नीति बनाने पर सोच विचार हो रहा है तो सबसे पहले यह जरूर सोच लिया जाना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के एक अनुमान के मुताबिक 2025 तक भारत में बुजुर्गों की संख्या बढ़ कर करीब सोलह करोड़ होने वाली है। सन 2025 दूर नहीं है। कुल मिला कर अगर कोई नीति बन रही है तो उसके पहले एक सवाल तैयार हो गया है कि जिन लोगों ने अपनी पूरी जिंदगी परिवार और कार्यस्थलों पर काम करते गुजार दी हो, आखिर उन बुजुर्गों को समाज, उनके नियोक्ता और सरकार कितना वापस लौटाने को तैयार है।

शीर्षक - द्विज

इस जग में कोई ऐसा
दूजा द्विज न होगा
ईश्वर के चरणों से
शीश पर शोभित होगा ।
मंद - मंद चलता है वो
औ शीतल रहता है
धरती गगन से भाल पर
चमकता रहता है ।
अमावस की रात में वो
सोता ही रहता है
पूर्णमासी को हरदम
हँसता ही रहता है ।
नहीं रखता द्वेष भाव
बोलता मधुर वाणी
द्विज धरा की शोभा है
है वो सबसे ज्ञानी ।
जब क्रोधित हो जाए द्विज
भू हिलने लगती है
समक्ष कोई नहीं आता
हवा रुकने लगती है ।
हैं ईश्वर के रूप द्विज
धर्म अपनाता है
पीड़ा दूर करता सबका
मंगल चाहता है ।

ज्ञानंद चौबे
केतात, पलामू
झारखंड

उदासीनता से उमड़ी दूसरी लहर

कोविड-19 महामारी को नियंत्रित करना ऐसी दुर्गम सार्वजनिक चुनौती हो गई है कि सरकारी घोषणाएं अक्सर चुनावी घोषणा पत्र की तरह लगने लगी हैं। मार्च में ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन विज्ञान के साथ चलने का वायदा कर रहे थे, लेकिन उन्होंने क्या किया? कुछ हफ्तों से वहां शीर्ष वैज्ञानिक 14 दिन के लॉकडाउन की वकालत कर रहे हैं, लेकिन बोरिस जॉनसन उनकी सलाह की अनदेखी करने में लगे हैं। वैज्ञानिकों का मानना है, एक 'सर्किट ब्रेकर' की जरूरत है, ताकि अस्पतालों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े। भारत में विभिन्न प्रकार के आकलन हैं। सितंबर के मध्य में इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के महानिदेशक बलराम भार्गव ने कहा था, 'हमने कोरोना कर्व को इस तरह से संभाला है कि ...हमारे यहां बड़े चरम की स्थिति बिल्कुल नहीं है'। यह बयान आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से दिया गया हो सकता है, लेकिन यह जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास को भी दर्शाता है। जैसा कि हम नव वर्ष पर निजी रूप से कोई संकल्प लेते हैं और फिर बाद में उसे हल्के में लेने लगते हैं, ठीक इसी तरह से हमने शारीरिक दूरी बरतने संबंधी अपने संकल्प को भी हल्के से ले लिया है।

यूरोप और अमेरिका के ज्यादातर हिस्सों में एक बार फिर कोरोना संक्रमण में तेजी देखी जा रही है। अमेरिका में पिछले सप्ताह 5,00,000 नए मामले दर्ज हुए हैं। टेक्सास की सीमा के पार बसे मैक्सिको के एक शहर की मेयर अमेरिका से आने वालों पर अस्थाई प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रही हैं। फिर भी यह विडंबना ही है कि ज्यादातर रिपोर्ट में कुछ तथ्यों का हवाला नहीं है। टेक्सास के अल पासो में अस्पताल पूरी तरह से भर गए हैं और मरीजों को वहां से एयरलिफ्ट करना पड़ रहा है। उधर, फ्रांस ने फिर लॉकडाउन लगा दिया है। इटली ने एक बार फिर सिनेमा हॉल, सभागारों और जिम को बंद करने के आदेश दे दिए हैं। यह हालत तब है, जब उत्तरी गोलार्द्ध में अभी तक कड़ाके की सर्दी की शुरुआत नहीं हुई है। शारीरिक दूरी बरतने के प्रति उदासीनता असली अपराधी है। यूरोप में गर्मियों में बिना मास्क छुट्टियां मनाते लोगों की तस्वीरें सबने देखी हैं। लॉन टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच जून में बेलग्रेड के एक नाइट क्लब में मौज-मस्ती करते समूह का नेतृत्व कर रहे थे। यह वही इलाका है, जहां कोरोना की दूसरी लहर कहर ढा रही है। लेकिन अब कोलकाता से लेकर बेंगलुरु तक के बाजारों से भीड़ की तस्वीरें आ रही हैं, जो आशंकाओं को जन्म दे रही हैं। यह भीड़ अत्यधिक संक्रामक साबित हो सकती है। जैसा कि अशोका यूनिवर्सिटी में महामारी विज्ञानी व प्रोफेसर गौतम मेनन बताते हैं, बंगाल में दुर्गा पूजा के दौरान बरती गई ढिलाई के नतीजे कुछ हफ्ते बाद सामने आएंगे, अस्पताल में दाखिले बढ़ेंगे और गंभीर मामलों में वृद्धि होगी। दिवाली के दौरान भी ऐसी ही स्थिति बनने की आशंका है। फिर भी, भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ी है। हाथ धोने और मास्क पहनने के बारे में सब लोग जानते हैं। सरकार के संचार माध्यमों और दिशा-निर्देशों ने यह कामयाबी हासिल की है, लोग मास्क पहनते हैं, लेकिन मुश्किल यह है कि मुंह और नाक पर मास्क पहनने की जरूरत पर किसी ने जोर नहीं दिया है। जुगाड़-शैली में ज्यादातर लोग मुंह के नीचे या गर्दन के नीचे मास्क बांधे या लटकाए रह रहे हैं। अपरिहार्य फोन संदेशों पर भी लोगों को यह नहीं बताया गया है कि वातानुकूलित कार्यालय या घर में बंद रहना ज्यादा जोखिम भरा है और एक कमरे में सभी खिड़कियां खुली रखकर पंखे की हवा में रहने में कम जोखिम है। अभी भी एक पार्क में या छत पर दोस्तों से मिलने के बजाय कमरे में मिलना खतरनाक हो सकता है। पिछले सप्ताह मैंने सुना, एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के प्रबंधक अपने ग्राहकों के सामने आरोग्य सेतु जैसे विवादास्पद एप को डाउनलोड करने की जरूरत को जोर-शोर से साबित करने में लगे थे, इसे रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का भी निर्देश बता रहे थे। कोरोना से बचाव के लिए ज्यादा बेहतर होता कि वह अपने बैंक कार्यालय की खिड़कियों को खुली रखवाते, बैंककर्मियों की कुर्सियां-मेज बड़े व खुले उस गलियारे में लगवाते, जो एक तरफ सड़क की ओर खुलता है। ठीक इसी तरह से बेंगलुरु में एक रेस्तरां मालिक से मेरी बात हुई, मैंने उन्हें कहा कि आप केवल पंखा चलाकर रखिए, जिससे रेस्तरां में हवा का संचार सही रहेगा, रेस्तरां एक सड़क की ओर खुलता है, तो इससे भी उसके हवादार होने में मदद मिलेगी, लेकिन उन्होंने जवाब दिया कि लोग शिकायत करेंगे। मैं कुछ नहीं कर सका, मैंने वहां गार्ड को देखा, जो अंदर भेजने से पहले ग्राहकों और डिलवरी करने वालों के हाथ सेनिटाइज करा रहा था, लेकिन खुद उसका मास्क मुंह से नीचे था।

मैंने महामारी के शुरुआती महीनों में ही उबर की कारों में ड्राइवर और सवारी के बीच प्लास्टिक की शीट देखी थी, ताकि दोनों परस्पर संपर्क से बचें, लेकिन ऐसी कोशिशें नाकाफी हैं। देश की मालदार कंपनियों को अपने कर्मचारियों व अपने ग्राहकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए और अधिक उपाय करने चाहिए। दुनिया भर में कोरोना की दूसरी लहर चल रही है, हम सावधान न हुए, तो एक वैक्सीन के आने के बाद भी इस वायरस के खिलाफ हमारी लड़ाई कमजोर रहेगी। पहली पीढ़ी के वैक्सीन के 100 प्रतिशत कारगर होने की उम्मीद नहीं है। लंबी सर्दियों के उस पार बढ़ते संक्रमण से वैक्सीन अभियानों को जूझना पड़ेगा।

दीपावली
छन्द-मनहरण घनाक्षरी

पर्व दीपों का दिवाली लाये नई उजियाली,
हर्ष व उमंग संग पर्व ये मनाइए।
प्रेम-तेल दीप भर, डाल बाती नह वाली,
उर में अनुराग का उजाला फैलाइए।
छल कपट ईर्ष्या के, तू पटाखे फोड़कर,
मन में बसे ये सारे, द्वेष तू मिटाइये।
त्रेता की परंपरा है, इसको निभाते पर,
त्रेता युग का वो अब, राम राज लाइये।।
अपनों के रिश्तों में, बढ़ती खटास है जो,
दिवाली के रॉकेट से इसको उड़ाइये।
है अपनों के प्रेम में, मिठास कितनी भरी,
सहर्ष अमूल्य रस, इस दिवाली पाइए।
नफरत का जो सुर, बहा रहे हैं असुर,
दीपावली पर ये कसम सब खाइए।
लोगों में ये प्यार चाहे जितना भी बाँटो पर,
अपनों के प्यार को तू, कभी न बंटाइये।
धर्म, जाति, भेद-भाव, सब कुछ छोड़कर,
धर्म इन्सानियत का मन में बसाइये।
जीवन में करने का, कुछ गर मन हो,
गरीबों की मदद को हाथ ये बढ़ाइए।
लाचारों की सेवा करो, खुश होते हैं राजीव,
जन-जन को यहाँ ये, बात समझाइए।
पाना तुझे मुक्ति गर, पार होना भव से है,
राम सीताराम बस राम राम गाइए।

नीरज कुमार द्विवेदी
गन्नीपुर-श्रृंगीनारी
बस्ती-उत्तरप्रदेश

हिंद जो अटल है

निडर है वो और
वो निर्भीक है
विजय पताका लिए हुए
आंधियों के समीप है
विश्व रूप धारण किए
अपने में सकल है
अतुल्य वो एक राष्ट्र है
एक हिंद है जो अटल है
गूढ़ सत्य की धरा
ज्ञान पुष्प है खिला
विराट कैलाश की भुजा
प्रकाश जो सूर्य का
सर्वप्रथम यहां मिला
इंद्र वज्र समान वो अचल है
एक हिंद है जो अटल है

स्वामी दास
नई दिल्ली

शीर्षक-करवा चौंथ

थाल सजा कर हम चले पूजा के लिए,
प्रथम आरती विघ्न विनायक के किया।
हाथ जोड़कर करते विनती स्त्रियाँ,
मांगते वर भगवान से लम्बी उम्र पिया।।
दिन भर भूखी -प्यासी ब्रत रहती हैं,
चन्द्रमा तुम शीघ्रता से आ जाना।
साजन की पूजा करूँगी छलनी से,
पिया को भगवान की रूप माना।।
सोलह श्रृंगार कर मै बैठी थी,
हाथों में मेंहदी कंगनो के साथ।
मैं चाँद देख कर पूजा अर्चना की,
आरती उतारे और करवा में हाथ।।
करवा चौंथ का ब्रत कार्तिक माह में,
कृष्ण पक्ष की चतुर्थी पर आता है।
महिलाओं पति के लम्बी उम्र मांगते,
ब्रत सुहागिन औरतों के लिए होता है ।।
सिन्दूर भरते पति के दीर्घायु के लिए,
अपने पति के नाम से ब्रत करती है।
पति और चाँद को छलनी से पूजते है,
हर जन्म साथ निभाने का वर मांगती है।।

स्वरचित कविता
देबीदीन चन्द्रवँशी
ग्राम- बेलगवाँ

चांद की बेटी

इक परी प्यारी- प्यारी करती चांद से बातें रात सारी ।
पूछे यूं चंदा से जाके रखा क्यों मुझे तुने पास बुला के ।
धरा पे मैं डोलती फिरती , मां - बाबा की परी कहलाती ।
कोख में मां की मार दिया , ना लेने मुझको जन्म दिया ।
क्या कसूर किया था मैंने , किसी को कोई दुःख नहीं दिया था मैंने ।
बोला यूं परी से चंदा , मैं नहीं करता ये गोरख धंधा ।
स्वच्छ , सुन्दर , मेरी निर्मल छाया , इसने सदा सबको सुख पहुंचाया , करे जो ऐसा गोरख धंधा , एक ही है वो मानुष बंदा ।
तुझको उसकी बुरी नज़र ने मारा ,
बेटी को बेटी ना समझ खाने लगा उसे समझ के एक मांस का टुकड़ा प्यारा ।
कभी समझता बोझ बेटी को , बेटे के लालच का मारा , लेने दिया जन्म ना तुझको ,
जन्म से पहले ही कोख में मारा , बन गई तु परी मेरी एक छोटा सा सितारा।
मुझको तुझसे बैर नहीं है , मेरे लिए तु गैर नहीं है , आ मेरी गोदी में आ, तुझे झुलाएं चांद हिंडोला , मेरी तु परी बन जाए , मैं तेरा बाबा प्यारा- प्यारा।

मौलिक एवं स्वरचित
प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

सही नक्शे का प्रसार

निजी डाटा सुरक्षा पर बनी संसदीय समिति ने भारतीय नक्शे के गलत प्रतिनिधित्व पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर को एफिडेविट देकर माफी मांगने के लिए बाध्य ही नहीं किया, देश में काम कर रही दुनिया भर की कंपनियों को उनकी हद बताने का नक्शा भी खींच दिया है। हालांकि, संसदीय समिति के सामने पेशी से बहुत पहले ही ट्विटर इस मसले पर माफी की मुद्रा में आ गया था। जब यह खबर मिली कि ट्विटर के एक लाइव प्रसारण में न सिर्फ लद्दाख, बल्कि जम्मू-कश्मीर तक को चीन का हिस्सा बताकर टैग किया गया है, तभी सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस पर कड़ी चेतावनी जारी कर दी थी। यह स्थिति तब है, जब ट्विटर समेत सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारत में खुलकर अपना नेटवर्क और कारोबार फैलाने की छूट है, जबकि चीन में उन्हें तरह-तरह की पाबंदियों से गुजरना पड़ता है। ट्विटर पर तो वहां लगभग पाबंदी ही है। अभी कुछ ही दिन पहले गलत नक्शे का एक मामला ऑनलाइन कारोबार करने वाली कंपनी अमेजन के खिलाफ भी उठा था और उसे भी माफी मांगनी पड़ी थी। अच्छी बात यह है कि सरकार ने इन मामलों में अब सख्ती दिखानी शुरू कर दी है।

फिल्म 'क्रिश 3' को हुए सात साल पूरे

बॉलीवुड की सबसे हिट फिल्म "क्रिश 3" को 7 साल पूरे हो गए हैं। इस फिल्म में अभिनेता ऋतिक रोशन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस फिल्म को लेकर उन्होंने एक खास संदेश शेयर किया। इस अवसर पर उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर क्रिश का एक एनीमेशन शेयर किया। उन्होंने इसे कैप्शन देते हुए लिखा कि मानव का उत्थान होना चाहिए। कारण स्वयं अनुभव है। बता दें कि सुपर हीरो अवतार में ऋतिक रोशन ने लाखों लोगों की दिलों पर राज किया, जिसमें बुराई के खिलाफ लड़ते हुए दिखाई देते है। इस फिल्म में ऋतिक के किरदार से जुड़ी हर चीज ट्रेंड बन गई इसमें उनका ब्लैक मास्क भी ट्रेंड में शामिल है। अब क्रिश फ्रैंचाइज की सफलता के साथ निमार्ता चौथी किस्त की योजना बना रहे हैं और प्रशंसक अपने सुपर हीरो की वापसी को देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

आयुष्मान खुराना का पत्नी ताहिरा को नोट

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने अपनी शादी की सालगिरह पर अपनी पत्नी ताहिरा के लिए सोशल मीडिया पर एक नोट लिखा है। इस नोट में उन्होंने लिखा कि 125 साल पूरे होने का जश्न, शायद और भी ज्यादा। क्योंकि मुझे पता है कि मैं तुम्हें कई सदियों से जानता हूं। हमारा ये बॉन्ड इस जिंदगी तक सीमित नहीं हो सकता। तुम मेरी साथी, लवर, पर्सनल स्टैंडअप कॉमेडियन, कोच और मेरी सबसे अच्छी दोस्त हो। मैं तुम्हारे साथ बूढ़ा होना चाहता हूं। मुझे पता है कि यह बहुत मजेदार होगा। हैप्पी एनिवर्सरी ताहिरा कश्यप। इस पोस्ट के साथ आयुष्मान ने एक खूबसूरत फोटो शेयर की, जिसमें आयुष्मान खुराना ताहिरा कश्यप को पीठ पर उठाए हुए हैं। इस तस्वीर में ताहिरा पिंक हुडी में दिखाई दे रही हैं, वहीं आयुष्मान ने वाइट टी-शर्ट के साथ गॉगल्स पहने नजर आ रहे हैं। बता दें कि आयुष्मान और ताहिरा ने नवंबर 2008 में शादी की। उनके दो बच्चे हैं, जिसका नाम विराजवीर और वरुष्का है।

अनन्या पांडे ने शेयर किया टिप्स

अभिनेत्री अनन्या पांडे ने स्नीकर पहनने का टिप्स शेयर किया है। उन्होंने बताया कि स्नीकर एक ऐसा चीज है जो हर एक आउटफिट के साथ जंचता है। अनन्या ने कहा कि एक्सपेरिमेंट से नहीं डरना चाहिए, मैंने यह सीखा है कि स्नीकर को आप किसी के भी साथ पहन सकते हो, यहां तक की लहंगा के साथ भी। मैं हमेशा स्नीकर पहन के खुश होती हूं। अभिनेत्री ने कहा कि मेरी मां की अलमारी सचमुच मेरी अलमारी है। हम लगभग सब कुछ शेयर करते हैं, खासतौर से स्नीकर्स। क्योंकि दोनो का साइज एक है बता दें कि वर्कफ्रंट पर अनन्या को अगली बार शकुन बत्रा की अनटाइटल्ड फिल्म में दीपिका पादुकोण और सिद्धान्त चतुर्वेदी के साथ देखा जाएगा।

कंगना को आ रही मुंबई में घुड़सवारी करने की याद

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत को मुंबई में घुड़सवारी करने की याद आ रही है। कंगना ने अपने घुड़सवारी करने कई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा कि मुझे मुंबई के बारे में जिस एक चीज की सबसे ज्यादा याद आ रही है, वह है रेस कोर्स में हर दूसरी सुबह घुड़सवारी करना। मैं कभी भी स्पोर्ट्स पर्सन नहीं रही, लेकिन मुझे अपने घोड़े का साथ काफी भाता है। हमारा एक-दूसरे के साथ रहना एक जिंदादिली का एहसास दिलाता है। हैशटैगमनडेमोटिवेशन। बता दें कि कंगना वर्तमान में अपने होमटाउन हिमाचल प्रदेश में हैं। वह वहां लॉकडाउन के समय से हैं और अपने परिवार के साथ काफी बेहतर वक्त बिता रही हैं।

पत्नी अंकिता कुंवर ने क्लिक की फोटो

बीच पर बिना कपड़ों के दौड़े 55 साल के बर्थडे ब्वॉय मिलिंद सोमन

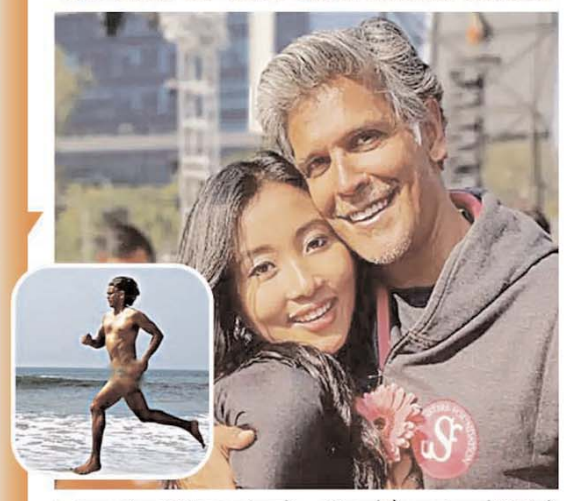

एक्टर मॉडल मिलिंद 4 नवंबर को अपना 55वां जन्मदिन मना रहे हैं। लेकिन हमेशा की तरह उन्होंने अपने बर्थडे पर हैरान करने वाली चीज की है। मिलिंद ने सोशल मीडिया पर अपनी एक न्यूड फोटो शेयर की है और कैप्शन में लिखा है- हैप्पी बर्थडे टू मी। यह फोटो उनकी पत्नी अंकिता कुंवर ने क्लिक की। हालांकि बीच कहां का है, इसका जिक्र पोस्ट में कहीं नहीं। मिलिंद की वाइफ अंकिता ने भी कपल फोटो के साथ पति को बर्थडे विश करते हुए स्वीट नोट लिखा। अंकिता ने लिखा- उस इंसान को जन्मदिन मुबारक जो मेरा दिल और मेरी आत्मा है। मैं अपने होने के हर अणु के साथ तुमसे प्यार करती हूं। मैं तुम्हें हर दिन सेलिब्रेट करती हूं। 12 किमी की बीच रनिंग के बाद टमाटर की तरह लाल हो गए। बात अगर बर्थडे ब्वॉय मिलिंद की करें तो वे हफ्ते में 3 या 4 बार ही रनिंग करते हैं। एक इंटरव्यू में मिलिंद ने बताया है कि वे 9 साल की उम्र में नेशनल स्विमिंग चैंपियन भी रह चुके हैं। इसके बाद वे 23 की उम्र तक स्विमिंग में एक्टिव भी रहे। स्विमिंग छोड़ने के बाद 38 साल की उम्र तक उन्होंने कोई फिजिकल एक्टिविटी नहीं की। लेकिन इससे उनके वजन पर कोई फर्क नहीं पड़ा। 19 की उम्र से लेकर आज तक उनका वजन एक जैसा ही है। फोटो देखते ही ट्रोल्स और मीमर्स एक्टिव हुए और उन्होंने मिलिंद को गिफ्ट के तौर एक से बढ़कर एक मीम्स बनाकर दिए। किसी ने उनकी मॉडलिंग के दिनों वाली न्यूड फोटो सेशन की फोटो शेयर की तो किसी ने अंडरगारमेंट्स बनाकर दिए। हालांकि इस एक्सट्राऑर्डिनरी कपल ने हमेशा की तरह इन मीमर्स और ट्रोलर्स की फिक्र नहीं की। वे दोनों खास दिन इंजॉय कर रहे हैं।

पूनम पांडे पर अश्लील वीडियो शूट करवाने के आरोप में गोवा में केस दर्ज

शादी के कुछ ही दिन बाद अपने पति पर मारपीट का आरोप लगाने वाली पूनम पांडे फिर से चर्चा में हैं। एक्ट्रेस पर इस बार गोवा में अश्लील वीडियो तैयार करवाने का आरोप लगा है। उनके खिलाफ गोवा फॉरवर्ड पार्टी की महिला विंग ने एक केस दर्ज करवाया है। पूनम के अलावा उनका वीडियो शूट करने वाले अज्ञात शख्स पर भी केस दर्ज करवाया गया है।

पूनम पांडे पर आरोप है कि वे गोवा के चापोली डैम पर एक अश्लील वीडियो शूट कर रही थीं। पूनम के खिलाफ दी शिकायत में कहा गया है, 'हम आपका ध्यान एक्ट्रेस पूनम पांडे वाले कथित पोर्न वीडियो की ओर दिलाना चाहते हैं जो राज्य में सोशल मीडिया में चल रहा है। यह वीडियो एक तरह से गोवा की महिलाओं पर 'हमला' है और इससे राज्य की छवि धूमिल हुई है। इस पोर्न वीडियो की शूटिंग कानाकोना में चापोली डैम में की गई है, यह अपनी संस्कृति के लिए मशहूर कानाकोना के लोगों के लिए बड़े झटके की तरह है।' शिकायत में आगे कहा गया है, 'हम हैरान है कि किस तरह इस वीडियो को सरकारी संपत्ति में शूट किया गया और किसकी इजाजत से इस बारे में जांच किए जाने और दोषियों पर कार्रवाई की जरूरत है। आमतौर पर मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की अगुवाई वाली इंटरटेनमेंट सोसाइटी ऑफ गोवा शूटिंग के लिए इजाजत देती है। चापोली डेम, जल संसाधन विभाग की संपत्ति है जिसके मंत्री फिलिप नेरी रॉड्रिग्स हैं। मुख्यमंत्री सावंत, जल संसाधन मंत्री और पूनम पांडे को गोवा की छवि को धूमिल करने का दोषी ठहराया जाना चाहिए।' इससे पहले गोवा में पूनम पांडे तब सुर्खियों में आ गई थीं, जब हनीमून के दौरान दोनों के बीच हुई लड़ाई झगड़े के बाद एक्ट्रेस ने अपने पति सैम बॉम्बे के खिलाफ मारपीट करने का आरोप लगाया था, जिसके बाद पुलिस ने सैम को हिरासत में लिया था। हालांकि, कुछ दिनों के बाद पूनम और सैम बॉम्बे के बीच समझौता हो गया था। सैम के साथ अपने रिश्ते पर बोलते हुए पूनम ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि हम एक बार फिर साथ में हैं।

बेटे से अलग के आरोप में पति अभिनव ने श्वेता को भेजा लीगल नोटिस

श्वेता तिवारी इन दिनों पति अभिनव कोहली से चल रही अनबन के चलते सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनव ने श्वेता पर आरोप लगाए हैं कि वो उन्हें बेटे से अलग करने के लिए मिलने नहीं दे रही हैं। सोमवार को श्वेता ने अभिनव और रेयांश की मुलाकात भी करवाई हालांकि कुछ ही मिनटों बाद श्वेता बेटे को ले गई थीं जिसके बाद अभिनव ने गुस्से में उनके घर के बाहर से लाइव जाकर अपनी आपबीती सुनाई थी। अब बेटे से मिलने के लिए अभिनव ने श्वेता को लीगल नोटिस भेज दिया है।

हाल ही में इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में अभिनव ने बताया है कि उन्होंने परेशान होकर श्वेता को लीगल नोटिस भेजा है जिसका जवाब एक्ट्रेस को 14 दिनों के अंदर ही देना पड़ेगा। अगर ऐसा नहीं होता तो अभिनव श्वेता के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करेंगे। अभिनव का कहना है कि उनके 4 साल के बेटे रेयांश को मां के साथ-साथ पिता की भी जरूरत है। क्योंकि श्वेता एक सेलिब्रिटी हैं इसलिए उन्हें बेटे से अलग रहना पड़ रहा है और उनकी छवि लोगों के सामने खराब हो रही है। अभिनव ने इंटरव्यू में कहा, 'जब मैंने श्वेता से शादी की थी तो मैंने खुद को अच्छा पति और पिता साबित करने के लिए सब कुछ किया था। मेरे सब कुछ करने के बावजूद आज मैं अकेला हूं। आज मैं अपने ही बेटे से अलग हूं क्योंकि श्वेता एक सेलिब्रिटी है और मैं सबके सामने एक बुरा इंसान बन चुका हूं'। अभिनव का कहना है कि श्वेता तिवारी को कोरोना होने के चलते बेटा रेयांश 40 दिनों तक उनके ही साथ रहा था जिसके बाद 25 अक्टूबर को श्वेता उसे जबरदस्ती अपने साथ ले गई थीं। श्वेता ने एक हफ्ते तक बेटे की बात अभिनव से नहीं करवाई और ना ही बताया कि वो कहां है। ऐसे में अभिनव उनके शो के सेट भी पहुंचे थे लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। एक हफ्ते बाद श्वेता ने सोमवार को दोनों की महज कुछ मिनट ही मुलाकात करवाई थी।

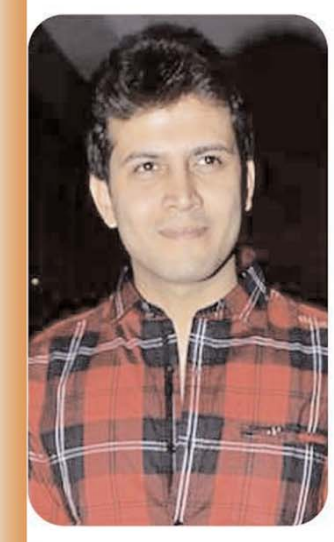

दबे शब्दों में अभिनव कोहली ने दी धमकी

सोमवार को बेटे से मिलने के बाद अभिनव दोबारा श्वेता के घर पहुंचे थे जहां किसी ने भी दरवाजा ही नहीं खोला। इस बात से नाराज होकर अभिनव घर से बाहर से लाइव आए थे जिसमें उन्होंने कहा, 'कुछ देर पहले मैं बेटे से मिला था और वो काफी डरा और सहमा हुआ था। ये लोग ऐसा ही कर रहे हैं। किसी इंसान को इतना परेशान कर दो और थका दो कि वो हेल्पलेस होकर कुछ गलत कर बैठे'। बता दें कि पिछले साल श्वेता ने अभिनव के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत दर्ज करवाई थी जिसके बाद से ही दोनों अलग रह रहे हैं।

जन्मदिन पर कृति ने 30 बच्चियों की पढ़ाई का उठाया खर्चा

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने एक बेहद ही खास अंदाज में अपना जन्मदिन मनाया है। उन्होंने इस मौके पर 30 बच्चियों के पढ़ाई का खर्चा उठाकर उन्हें एक शानदार तोहफा दिया। कृति ने बच्चियों की पढ़ाई-लिखाई के लिए काम करने वाले एक गैर सरकारी संगठन के साथ मिलकर इन्हें शिक्षित करने की जिम्मेदारी ली है। इस पहले के बारे में अभिनेत्री ने बताया कि हमारी दुनिया एक वैश्विक स्वास्थ्य आपदा का सामना कर रही है। बीते कुछ महीने हम सभी के लिए बेहद तनावग्रस्त रहे हैं। मेरे ख्याल से ये उन जरूरतमंद लोगों में थोड़ी-बहुत खुशियां फैलाने का मेरा एक छोटा सा प्रयास है। दुर्भाग्य से मौजूदा महामारी के चलते मैं उन बच्चियों से निजी तौर पर मुलाकात नहीं कर पाई, लेकिन उनसे जल्द ही वर्चुअल तरीके से मिलने और कुछ अच्छा वक्त बिताने की उम्मीद है। वहीं, वर्कफ्रंट पर कृति आने वाले समय में बीजॉय नांबियार की फिल्म तैश में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म ओटीटी पर वेब सीरीज और फिल्म दोनों प्रारूपों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में पुलकित सम्राट, जिमी सम्र, हर्षवर्धन राणे और संजीदा शेख जैसे

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने बॉलीवुड में रहने के लिए की कड़ी मेहनत

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने हाल ही में अपने करियर को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि उनकी बॉलिवुड यात्रा सर्वाइवल की रही है। भूमि ने कहा कि पांच साल हो गए हैं और यह अभी भी एक सपने जैसा लगता है।

मैं कोई एक्सीडेंटल अभिनेत्री नहीं हूं और मैं यह बार-बार कहती हूं। यह कुछ ऐसा है जो मैं वास्तव में करना चाहती थी और मैंने यहां रहने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की है। मैं मुंबई में पैदा हुई और यही पली-बढ़ी हूं, और निश्चित रूप से इस चीज ने मेरी मदद की है, क्योंकि शहर की सपोर्ट सिस्टम कहीं न कहीं मेरे लिए अनुकूल था और यह हमारी हिंदी फिल्म उद्योग का शहर है, ऐसे में यह आपकी यात्रा को थोड़ा आसान बनाती है। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि, मैं एक पारंपरिक फिल्मी परिवार से नहीं हूं या मेरा वास्तव में कोई संपर्क नहीं था, मैं पहली बार में बहुत उलझन में थी कि इसको कैसे आगे बढ़ाना है उन्होंने बीती बातों को याद करते हुए कहा कि मुझे इसके बारे में अपने माता-पिता से बात करने के लिए बहुत हिम्मत जुटानी पड़ी थी। वे बहुत खुश नहीं थे और मुझे लगता है कि वे सुरक्षात्मक हो रहे थे। इसलिए, मैंने फिल्म स्कूल में शामिल होने का फैसला किया और शुल्क महंगा था, इसलिए मैंने ऋण लिया। अपनी कास्टिंग को लेकर उन्होंने कहा कि जब मैं कास्टिंग कर रही थी, तो मेरा इरादा ऐसा कुछ नहीं था कि मुझे एक अभिनेत्री बनना है और इसके लिए जानकारी जुटानी है।

न्यूज. ब्रीफ

नाइजीरिया में 12 लोगों की हत्या कर नौ महिलाओं व लड़कियों का किया अपहरण

लागोस। नाइजीरिया के संकटग्रस्त उत्तरपूर्व में चरमपंथियों ने कम से कम 12 लोगों की हत्या कर दी तथा नौ महिलाओं और लड़कियों का अपहरण कर लिया है। स्थानीय निवासियों ने यह जानकारी दी है। यह घटना रविवार सुबह बोर्नो राज्य के चिबोक से 20 किलोमीटर दूर ताकुलाशी गांव में हुई। यहीं 2014 में बोकोहरम के आतंकवादियों ने 276 स्कूली लड़कियों का अपहरण कर लिया था। स्थानीय नागरिक संयुक्त कार्यबल समूह के सदस्य उबा कोलो ने बताया कि हमलावरों ने पुरुषों की हत्या की और महिलाओं तथा लड़कियों को लेकर चले गए। सेना ने अब तक इस हमले पर टिप्पणी नहीं की है।

बड़ी सभाओं पर प्रतिबंध कर कोरोना संक्रमण को रोका जा सकता

बोस्टन। बड़ी सभाओं पर प्रतिबंध कर कोरोना वैश्विक महामारी को काफी हद तक काबू किया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में यह दावा किया है। अध्ययन में पाया गया है कि कोरोना को फैलाने में उन समारोहों की ह्यह्यबड़ी भूमिका है, जहां कोविड-19 से संक्रमित एक व्यक्ति कम से कम पांच या छह अन्य लोगों को संक्रमित करता है। इन समारोहों को ह्यसुपर स्प्रेडिंगह्व समारोह कहा जाता है। प्रकाशित अध्ययन में इस तरह के करीब 60 समारोहों का आकलन किया गया है।अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया है कि इस प्रकार के समारोहों की संख्या अपेक्षा से कहीं अधिक है। अध्ययन करने वालों में कई वैज्ञानिक भी शामिल हैं। वैज्ञानिकों ने अपने निष्कर्षों के आधार पर कोविड-19 संक्रमण को लेकर गणित का एक मॉडल विकसित किया है।मॉडल के अनुसार सभाओं में लोगों की संख्या 10 तक सीमित करने पर संक्रमण में काफी कमी आ रही है। अध्ययनकर्ता ने कहा कि अपेक्षा से कहीं अधिक संख्या में इस प्रकार के ह्यसुपर स्प्रेडिंगह्व समारोह हो रहे हैं। उन्होंने कहा, यदि हम ह्यसुपर स्प्रेडिंगह्व समारोहों को काबू कर सकते हैं,तब हम वैश्विक महामारी को काफी हद तक काबू कर सकते हैं। वैज्ञानिकों ने बताया कि औसतन, एक संक्रमित व्यक्ति करीब तीन अन्य लोगों को संक्रमित करता है।

कपड़ा गोदाम में आग के बाद विस्फोट चार लोगों की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद के नजदीक पिराना-पिपलाज रोड पर स्थित कपड़े के गोदाम में बुधवार को आग लग गई। इसके बाद, विस्फोट होने की वजह से गोदाम ध्वस्त हो गया और चार लोगों की मौत हो गई। फायर ऑफिसर जयेश खड़िया ने कहा कि फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने मलबे से 12 लोगों को निकाला और एलजी अस्पताल में शिफ्ट किया। उन्होंने कहा कि पिराना-पिपलाज रोड पर स्थित इमारत का गोदाम आग लगने के बाद विस्फोट होने की वजह से ढह गया। 12 घायलों में चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि बाकी आठ लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

धरने में शामिल होने दिल्ली आ रहे कांग्रेस विधायक सिद्धू को पुलिस ने रोका

नई दिल्ली। पंजाब में केंद्र की मोदी सरकार के नए कृषि कानूनों के विरोध की आंच नई दिल्ली तक आ गई है। बुधवार सुबह पंजाब के सीएम अमरिंदर सिंह के क्रमिक धरने के आह्वान पर दिल्ली पहुंचे कांग्रेस विधायक नवजोत सिंह सिद्धू को पुलिस ने बॉर्डर पर रोक लिया। कृषि कानूनों के विरोध के चलते पंजाब में कोयला लाने वाली ट्रेनों पर रोक है, जिससे राज्य में बिजली कटौती करनी पड़ रही है। इन्हीं मुद्दों पर सीएम अमरिंदर ने जंतर-मंतर पर क्रमिक धरने की अपील की है। खुद अमरिंदर भी बुधवार को धरना देने वाले है। इससे पहले अमरिंदर ने केंद्र सरकार द्वारा लागू तीन कृषि कानूनों को निष्प्रभावी करने के लिए पंजाब विधानसभा में पारित विधेयकों को मंजूरी दिलाने की मांग को लेकर बुधवार को राष्ट्रपति से मुलाकात का समय मांगा था। राज्य सरकार ने बताया कि राष्ट्रपति भवन ने मुलाकात का समय देने से इनकार कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में प्रदर्शन, केंद्र द्वारा मालगाड़ियों का परिचालन स्थगित किए जाने की वजह से राज्य में उत्पन्न हालात को रेखांकित करेगा। पंजाब के विपक्षी दलों ने अमरिंदर सिंह के दिल्ली में धरने का नेतृत्व करने के कदम को 'ड्रामा' करार दिया है।

एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने पत्रकार अर्नब गोस्वामी की गिरफ्तारी की निंदा की

नई दिल्ली। एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने बुधवार को पत्रकार अर्नब गोस्वामी की ह्यअचानकह्व गिरफ्तारी की निंदा कर महाराष्ट्र सरकार से मांग की कि वहां गोस्वामी के साथ निष्पक्ष व्यवहार करे। इसके साथ ही मीडिया की आलोचनात्मक रिपोर्टिंग के खिलाफ सरकारी ताकत का इस्तेमाल नहीं किया जाए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गोस्वामी को इंटीरियर डिजाइनर को कथित तौर पर खुदकुशी के लिए उकसाने के मामले में बुधवार सुबह उनके मुंबई स्थित आवास से गिरफ्तार किया गया।

46 फीसदी भारतीयों ने उधार लेकर चलाई अपनी गृहस्थी

नई दिल्ली। होम क्रेडिट इंडिया के एक शोध में इस तथ्य का खुलासा हुआ है कि कोरोनाकाल में 46 फीसदी भारतीयों ने अपनी गृहस्थी चलाने के लिए उधार का सहारा लिया है। अपनी परिवार की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हर चार में से एक ने अपने दोस्त/परिवार से उधार लिए हैं। जहां अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए 46 फीसदियों ने उधार लिए, वहीं 27 फीसदी लोगों ने ईएमआई का भुगतान करने के लिए उधारी का सहारा लिया है। इनमें से 14 फीसदी लोगों को इसलिए उधार लेना पड़ा क्योंकि उन्होंने कोविड-19 के दौरान लगाए गए लॉकडाउन में अपनी नौकरी खो दी है। मुंबई और भोपाल में सबसे ज्यादा लोग उधार लिए हैं, इसके बाद क्रमशः दिल्ली और पटना की बारी आती है। साल 2019 में भी 46 फीसदी लोगों ने उधार लिया था। इनमें से 33 फीसदियों ने अपनी जीवनशैली के स्तर को उठाने के लिए जबकि बाकियों ने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए उधार लिया था।

निकिता हत्याकांड में तौसिफ के खिलाफ आज दाखिल होगी चार्जशीट

फरीदाबाद ■ एजेंसी

निकिता तोमर हत्याकांड में एसआईटी गुरुवार को अदालत में चार्जशीट दाखिल कर देगी। तीन घंटे तक एसआईटी के साथ बैठक करने के बाद पुलिस आयुक्त ओपी सिंह ने यह जानकारी साझा की है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों के खिलाफ दोष सिद्ध करने के लिए चार्जशीट में वैज्ञानिक सबूत भी जुटाए गए हैं। पुलिस चार्जशीट को तैयार करने में जुटी हुई है। निकिता हत्याकांड मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक अदालत में होनी है। इसकी वजह से पुलिस अदालत में जल्द से जल्द चार्जशीट दाखिल करना चाहती है, ताकि अदालत में मामले की सुनवाई जल्द शुरू हो सके। इसी के मद्देनजर पुलिस पुलिस आयुक्त ओपी सिंह ने सेक्टर-21 स्थित अपने कार्यालय में एसआईटी के साथ बैठक की। बैठक में डीसीपी मुख्यालय अर्पित जैन, सहायक पुलिस आयुक्त आदर्शदीप सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त अपराध अनिल यादव, सहायक पुलिस आयुक्त राजीव कुमार, अपराध जांच शाखा, डीएलएफ प्रभारी अनिल कुमार और कई जांच अधिकारी मौजूद थे। करीब तीन घंटे तक चली इस बैठक में पुलिस द्वारा जुटाए गए सबूतों की समीक्षा की गई। उन्होंने एसआईटी द्वारा बताए गए सबूतों को अदालत में साबित करने के बारे में भी जानकारी मांगी। पुलिस आयुक्त ने एसआईटी को सभी तरह के पहलुओं को ध्यान में रखते हुए चार्जशीट तैयार करने का निर्देश दिया। इस दौरान सन 2018 में निकिता को अगवा करने के मामले की भी चर्चा की गई। सूत्रों का कहना है कि इस मामले को भी चार्जशीट में जोड़ा जाएगा। चार्जशीट में पुलिस तकनीकी और वैज्ञानिक सबूत भी शामिल करेगी। पुलिस के पास कई चश्मदीद गवाह हैं, जिन्होंने आरोपियों को पहचान लिया था। वहीं आरोपियों की कार और उसकी फॉरेंसिक जांच भी बड़ा सबूत है। ताकि साबित हो सके कि आरोपी ही गाड़ी को चला रहे थे। इस मामले की सीसीटीवी फुटेज भी एक अहम सबूत है। मृतक निकिता तोमर के मामा और अधिवक्ता ऐदल सिंह रावत का कहना है कि पुलिस बारीकी से इस मामले की जांच कर रही है। इससे हम हैं। चार्जशीट भी पुलिस जल्द से जल्द पेश करना चाहती है। यह भी अच्छा कदम है। हम तो सिर्फ यही चाहते हैं कि जल्दबाजी के चक्कर में जांच का कोई अहम तथ्य न छूट जाए।

| तीसरी बार चुनाव जीते भारतीय मूल के राजा कृष्णमूर्ति |

69 फीसदी अमेरिकी मुस्लिमों ने जो बाइडेन को वोट दिया

डोनाल्ड ट्रम्प को मिले महज 17 प्रतिशत

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में इस बार मुस्लिम वोटर्स ने रिकॉर्ड तोड़ वोटिंग की है। ज्यादातर की पहली पसंद डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन रहे। काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशन के एग्जिट पोल में यह दावा किया गया है। संगठन ने मंगलवार रात पोल के नतीजे घोषित किए। इसके मुताबिक, कुल 89प्रतिशत मुस्लिमों ने चुनाव में वोट डाले। इनमें से 69प्रतिशत ने जो बाइडेन को वोट दिया। महज 17प्रतिशत ने डोनाल्ड ट्रम्प पर भरोसा जताया। इस पोल में कुल 844 रजिस्टर्ड मुस्लिम वोटर्स ने हिस्सा लिया। 2016 के चुनाव की तुलना में इस बार ट्रम्प को 4 प्रतिशत ज्यादा समर्थन मिला है। 4 साल पहले उन्हें 13 प्रतिशत मुस्लिम वोट मिले थे। नेशनल एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर निहाद अवाद

ने कहा कि संगठन अमेरिका के 1 लाख से ज्यादा मुस्लिमों का शुक्रिया अदा करता है। उन्होंने इस चुनाव में रिकॉर्ड तोड़ वोटिंग की। मुस्लिम समुदाय पूरे देश में चुनाव नतीजों पर असर डालने की क्षमता रखता है। इसीलिए इसे उम्मीदवारों और मीडिया में काफी तवज्जो मिली। डायरेक्टर ऑफ गवर्नमेंट अफेयर्स रॉबर्ट एस. मैकॉ का कहना है कि मुस्लिम वोट देते हैं। लोकल, स्टेट और नेशनल लेवल की राजनीति में हमारे समुदाय की भूमिका से कोई नकार नहीं सकता। अब समय आ गया है कि हम जिन नेताओं को चुनते हैं, उन्हें सभी अमेरिकियों के नागरिक और धार्मिक अधिकारों को बरकरार और सुरक्षित रखने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाए। अमेरिका का सबसे बड़ा मुस्लिम सिविल राइड्स एंड एडवोकेसी ऑर्गेनाइजेशन है। इसका मकसद इस्लाम की समझ को बढ़ाना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना, न्याय को बढ़ावा देना और अमेरिकी मुसलमानों को मजबूत बनाना है। लोकतंत्र में जनता ही भाग्य विधाता होती है। अपना शासक और शासन खुद चुनती है। प्रक्रिया अलग-अलग हो सकती हैं। अमेरिका की बात करें तो यहां अब तक पांच बार ऐसा हुआ जब जनता (पॉपुलर वोट) किसी और को राष्ट्रपति बनाना चाहती थी, लेकिन जनप्रतिनिधियों (इलेक्टर्स या इलेक्टोरल कॉलेज) ने किसी और को ही राष्ट्रपति बना दिया। आइए इन पांच खुशकिस्मत अमेरिकी राष्ट्रपतियों के बारे में जानते हैं। अमेरिका में यह 58वां राष्ट्रपति चुनाव है। 53 बार ऐसा हुआ जब जो राष्ट्रपति बना, उसे पॉपुलर और इलेक्टोरल वोट ज्यादा मिले। लेकिन, 5 बार ऐसे नेता राष्ट्रपति बने जो इलेक्टोरल कॉलेज से जीते। वे जनता की पहली पसंद नहीं थे।

डाक-मतपत्र को लेकर अमेरिकी डाक सेवा ने कहा | न्यायाधीश के आदेश का तुरंत पालन होना मुश्किल

संघीय न्यायाधीश के डाक-मतपत्र के जरिए डाले मतों को जल्द केन्द्रों तक पहुंचाने के आदेश का पालन तुरंत नहीं कर सकते क्योंकि इससे मतदान के दिन के उसके अन्य कार्य बाधित हो सकते हैं। यह कहना है अमेरिकी डाक सेवा का।एजेंसी से वाशिंगटन डीसी के जिला न्यायाधीश इम्मेट जी॰ सुलिवन ने मंगलवार दोपहर तक कई 'बैटलग्राउंड'इलाकों के 27 केन्द्रों की तलाशी करने और लंबित मतों को तुरंत भेजने का आदेश दिया था। 'बैटलग्राउंड' उन इलाकों को कहा जाता है, जहां रुझान स्पष्ट नहीं होता। आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए डाक सेवा ने कहा कि उसने सुबह ही सभी केन्द्रों का निरीक्षण किया। उसने कहा कि डाक-मत पत्रों के लिए 220 केन्द्रों का रोजाना दौरा किया जा रहा है और मंगलवार को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने से कुछ घंटे पहले भी उनका निरीक्षण किया जाएगा। डाक सेवा का प्रतिनिधित्व कर रहे न्याय विभाग के वकीलों ने कहा, भौतिक और परिचालन सीमाओं को समझते हुए और चुनाव के दिन प्रमुख गतिविधियों को बाधित करने से बचने की आवश्यकता को समझते हुए, बचाव पक्ष अदालत के आदेश का पालन करने के लिए जितना हो सके उतनी तेजी से काम कर रहा है।

नदी की धारा मोड़कर चीन ने नेपाल की 150 हेक्टेयर जमीन पर जमाया कब्जा

लंदन ■ एजेंसी

ब्रिटेन के एक प्रमुख अखबार ने दावा किया है कि चीन ने नेपाल के क्षेत्र में 150 हेक्टेयर से अधिक जमीन हड़प ली है। हालांकि चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह पूरी तरह बेबुनियाद अफवाह है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन की प्रतिक्रिया ब्रिटिश समाचार पत्र में प्रकाशित उस खबर पर आई है, जिसने नेपाल के राजनेताओं के हवाले से खबर प्रकाशित की थी कि चीन ने सीमा के पास पांच क्षेत्रों में 150 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन पर कब्जा कर लिया है। अखबार के मुताबिक चीन ने पूर्ववर्ती डूब क्षेत्र पर दावे के लिए एक नदी के बहाव की दिशा को बदल दिया है। खबर पर प्रतिक्रिया करते हुए वांग ने कहा कि मैं बताना चाहता हूं कि खबर पूरी तरह बेबुनियाद अफवाह है। जब वांग से इस बारे में साक्ष्यों के लिए कहा गया तो उन्होंने कहा, जब यह अफवाह है, तो इस खबर को जारी करने वालों को पहले सबूत पेश करने चाहिए। जबकि समाचार पत्र के संवाददाता ने दावा किया कि उसके पास प्रमाण हैं। उसने कहा कि उसने बेवुनियाद आरोप नहीं लगाया है। उन्होंने कहा कि उसने तथ्यों के आधार पर यह दावा किया है। उसने इस मसले पर नेपाल के राजनेताओं से विस्तार से बात की है और उन्होंने ऐसा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अब हम चाहते हैं कि इस मामले में चीनी पक्ष प्रतिक्रिया करे। हमने नेपाल स्थित चीनी दूतावास से प्रतिक्रिया के लिए संपर्क किया, लेकिन वहां से जवाब नहीं मिला है।

गुजारा भत्ते के लिए दोनों पक्षों को देना होगा आमदनी का पूरा ब्योराः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। वैवाहिक विवादों में पीड़िता के मेंटेनेंस की रकम के भुगतान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने विस्तृत गाइडलाइन जारी की है। अब विवाद के अदालत में जाने के बाद ही दोनों पक्षकारों को अपनी आमदनी के स्रोत और पूरा ब्योरा देना होगा। इसके बाद ही गुजारा भत्ता की रकम तय की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी ताकीद की है कि हाईकोर्ट इस पर अमल करेंगे। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस इंदु मल्होत्रा और जस्टिस सुभाष रेड्डी की पीठ ने अपने इस अहम फैसले में विस्तार से गाइडलाइन के विभिन्न पहलुओं को बताया है, यानी विवाद की सुनवाई जारी रहने के दौरान अंतरिम गुजारा भत्ता की रकम अवधि और अन्य पहलुओं पर भी स्थिति स्पष्ट कर दी गई है।

काम पर लौटने के इच्छुक भारतीय श्रमिकों की वापसी में सहयोग करें खाड़ी के देश : जयशंकर

नई दिल्ली। भारत ने खाड़ी देशों से अपील की है कि वे कोरोना वायरस से संबंधित पाबंदियों में ढील के बाद काम पर लौटने के इच्छुक भारतीय श्रमिकों और पेशवरों की वापसी में मदद करें। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लगभग सभी अरब देशों के प्रमुख क्षेत्रीय संगठन खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के साथ डिजिटल माध्यम से हुई बैठक में इस मुद्दे पर बात की। जयशंकर ने बैठक में खाड़ी देशों को भारत की ओर से खाद्य सामग्री, दवाओं और जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति जारी रखने का आश्वासन दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर ने कोरोना महामारी के दौरान बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के लोगों का ध्यान रखने के लिए जीसीसी देशों का आभार व्यक्त किया। मंत्रालय ने कहा कि विदेश मंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में भारतीय श्रमिक और पेशेवर काम पर लौटने के लिए जीसीसी देशों में वापस जाने के इच्छुक हैं। उन्होंने जीसीसी नेतृत्व से यात्रा संबंधी प्रबंध के जरिये उनकी वापसी में मदद करने का आग्रह किया। कोरोना वायरस महामारी के चलते बीते कुछ महीनों में हजारों भारतीय नागरिक खाड़ी क्षेत्र से स्वदेश लौट आए थे।

देश में उठी करतारपुर कॉरिडोर खोलने की मांग

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

कोरोना के कारण देश में कई दिनों तक लॉकडाउन लागू रहा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से अनलॉक लागू किया जा रहा है। लॉकडाउन के दौरान धार्मिक स्थलों को भी बंद कर दिया गया था। हालांकि धीरे-धीरे इन धार्मिक स्थलों को खोला जा रहा है। लेकिन अभी भी ऐतिहासिक करतारपुर कॉरिडोर बंद है। लेकिन अब करतारपुर कॉरिडोर को खोलने की मांग की जा रही है। दरअसल, 9 नवंबर को ऐतिहासिक करतारपुर कॉरिडोर को बने 1 साल हो जाएंगे। वहीं ,30 नवंबर को श्री गुरु नानक देव जी का 551वां प्रकाश पर्व भी आ रहा है। इसकारण सिख समुदाय की ओर से लगातार करतारपुर कॉरिडोर खोले जाने की मांग हो रही है। फिलहाल करतारपुर कॉरिडोर को कोरोना के कारण भारत सरकार ने बंद कर रखा है। दिल्ली के कई सिख संगठनों के साथ-साथ नानक नाम लेवा संगत ने भी करतारपुर यात्रा को फिर से शुरू करने की मांग कर दी है। सिख समुदाय का कहना है, कि सरकार ने पिछले 3 महीने में देश के अलग-अलग धार्मिक स्थलों को खोलने की इजाजत दे दी है लेकिन गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर को खोला नहीं गया है। इस बात को लेकर उन्होंने पीएम मोदी से अनुरोध भी किया है, ताकि श्री गुरु नानक देव जी के 551 वां प्रकाश पर्व पर पाकिस्तान में श्री करतारपुर साहिब के दर्शन के इच्छुक के श्रद्धालु वहां जा सके। सिख समुदाय चाहता है कि करतारपुर कॉरिडोर को जल्द खोल दिया जाए। दूसरी ओर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी जो पंजाब के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों में गुरुद्वारों के मामलों का प्रबंधन करती है, उसने भी केंद्र सरकार से प्रकाश पर्व के अवसर पर गलियारे को खोलने की मांग कर दी है। उधर,पाकिस्तान के सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने करतारपुर कॉरिडोर के उद्घाटन की पहली वर्षगांठ मनाने की घोषणा की है।

डोनाल्ड ट्रंप के बेटे के ट्वीट पर उमर अब्दुल्ला-थरूर ने जताया विरोध

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

अमेरिका में एक तरफ जहां राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं तो दूसरी ओर ट्रंप के बेटे के एक ट्वीट से भारत में टिप्पणियां सामने आने लगी हैं। डोनाल्ड ट्रंप के बेटे ने एक विवादित नक्शा सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। ट्रंप के बेटे के इस ट्वीट के बाद भारत में जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला, कांग्रेस नेता शशि थरूर समेत कई अन्य नेताओं ने विरोध जताया है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप के बेटे ने सोशल मीडिया पर एक विवादित नक्शा पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने जम्मू कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बताया है। ट्रंप के बेटे ने विश्व के सभी देशों में डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन में दुनिया को दो रंगों (लाल और नीले) में बांट दिया है। दुनिया के नक्शे को अमेरिका में रिपब्लिकन रंग का प्रतिनिधित्व करने वाले लाल रंग में दिखाया गया है लेकिन भारत, चीन, मैक्सिको और अफ्रीका में लाइबेरिया केवल नीले रंग में दिखाए गए देश हैं। डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने इस नक्शे को लेकर एक ट्वीट किया कि ठीक है, आखिरकार मेरे आंकलन वाला चुनावी नक्शा लगभग तैयार हो गया है। ट्रंप के बेटे के इस ट्वीट पर अब भारत में कई टिप्पणियां सामने आ रही हैं।

आर्मी चीफ नरवणे ने नेपाली समकक्ष से की मुलाकात, दोनों के बीच सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

काठमांडू। भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने गुरुवार को अपने नेपाली समकक्ष जनरल पूर्ण चंद्र थापा से मुलाकात की और दोनों सेनाओं के बीच सहयोग और मित्रता के मौजूदा संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के उपायों पर चर्चा की। जनरल थापा के निमंत्रण पर जनरल नरवणे तीन दिवसीय यात्रा पर अभी काठमांडू में हैं। उनकी यात्रा काफी हद तक दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के मकसद से है। दोनों देशों के संबंध सीमा विवाद को लेकर तनावपूर्ण हो गए हैं। उन्होंने थापा से यहां उनके कार्यालय में मुलाकात की। नेपाल थलसेना मुख्यालय द्वारा एक बयान के अनुसार, ÷उन्होंने द्विपक्षीय हितों के मुद्दों के अलावा दोनों सेनाओं के बीच मित्रता और सहयोग के मौजूदा बंधन को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की।÷ बयान में कहा गया है कि उन्हें नेपाली सेना के इतिहास और वर्तमान भूमिकाओं के बारे में भी अवगत कराया गया। बुधवार को काठमांडू पहुंचे नरवणे बृहस्पतिवार को सेना मुख्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। गुरुवार सुबह आर्मी पैविलियन में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद उन्हें सेना मुख्यालय में %गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया । उन्होंने पहले के वरिष्ठ सैन्य आगंतुकों की परंपरा के अनुसार सेना मुख्यालय में एक पेड़ भी लगाया। उन्होंने नेपाली सेना के दो फील्ड अस्पतालों के लिए वेंटिलेटर, एम्बुलेंस और चिकित्सा उपकरण भी सौंपे। थापा ने नेपाल में बने 1,00,000 मेडिकल मास्क और शांति के प्रतीक के रूप में भगवान बुद्ध की एक मूर्ति नरवणे को भेंट की। राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी बृहस्पतिवार को ही नरवणे को नेपाली सेना के जनरल रैंक की मानद उपाधि प्रदान करेंगी। वह शुक्रवार को प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली से मिलेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आठ मई को उत्तराखंड में धारचूला को लिपुलेख दर्रे से जोड़ने वाली 80 किलोमीटर लंबी अहम सड़क का उद्घाटन किया था। उसके बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव में आ गया। नेपाल ने सड़क के उद्घाटन का विरोध करते हुए दावा किया कि यह उसके भूक्षेत्र से होकर गुजरता है। इसके बाद नेपाल ने लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को अपने हिस्से के रूप में दिखाया।

अगर हारने के बाद भी डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस की गद्दी छोड़ने से इनकार कर दें तो क्या होगा?

नई दिल्ली। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों के लिए वोटों की गिनती जारी है। अब तक के नतीजों में डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन, रिपब्लिकन उम्मीदवार व मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से काफी आगे चल रहे हैं। हार-जीत का फैसला आने से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन अपनी-अपनी जीत का दावा कर चुके हैं। एक ओर जहां ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह चुनाव जीत रहे हैं, मगर वोट काउंटिंग में फ्रॉड रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएंगे, वहीं बाइडेन ने भी दावा किया है कि वह चुनाव जीत रहे हैं। नतीजों के बाद की कानूनी स्थिति से निपटने के लिए ट्रंप और बाइडेन अपनी-अपनी फौज के साथ तैयार हैं। ट्रंप ने अपने बयानों से जिस तरह के संकेत दिए हैं,

राहत – एशियन डेवलपमेंट बैंक ने 13.28 करोड़ डॉलर के लोन को मंजूरी दी

मेघालय के 1.80 लाख घरों को मिलेगी बिजली

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

पूर्वोत्तर राज्य मेघालय में बिजली की समस्याओं से अब लोगों को राहत मिलने वाली है। जानकारी के मुताबिक राज्य में पावर क्वालिटी बेहतर करने के साथ-साथ डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क को अपग्रेड करने के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने 13.28 करोड़ डॉलर के लोन को मंजूरी दे दी है। शत-प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन वाले राज्यों मे शुमार मेघालय में प्रति व्यक्ति बिजली की खपत राष्ट्रीय खपत से काफी कम है। साल 2017 के आंकड़ों के मुताबिक, मेघालय में प्रति व्यक्ति

बिजली की खपत महज 832 किलोवाट प्रति घंटा ही थी। वहीं इसका राष्ट्रीय औसत 1122 किलोवाट प्रति घंटा है। यहीं नहीं प्रदेश के दूरदराज इलाकों में बिजली सप्लाई की समस्या भी है। मेघालय के सभी बिजली उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक पावर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा।

प्रोजेक्ट के तहत 23 सब स्टेशन बनाए जाएंगे। वहीं 45 सब स्टेशनों को रेनोवेट किया जाएगा। कंट्रोल रूम इक्विपमेंट और प्रोटेक्शन सिस्टम का भी प्रावधान होगा। राज्य के 6 में 3 सर्किल के 2214 किमी डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम को इंस्टॉल और अपग्रेड किया जाएगा। सभी इलेक्ट्रोमेकिनकल मीटर्स को स्मार्ट मीटर से बदला जाएगा। बताया जा रहा है कि इस पहल से प्रदेश के 1.80 लाख घरों को सीधा फायदा मिलेगा। मेघालय पावर डिस्ट्रिब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड के लिए डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर और फाइनेंशियल रोडमैप बनाने में भी यह प्रोजेक्ट मदद करेगा। मेघालय में पुरानी और जर्जर हो चुके पावर डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क को फिर से खड़ा करने में एडीबी की ओर से दिया जाने वाला कर्ज काफी मददगार होगा। प्रदेश में मौजूदा सब-स्टेशनों में पुरानी तकनीक से काम हो रहा है। पावर डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क पर क्षमता से ज्यादा बोझ है। इससे एग्रीगेट टेक्नीकल एंड कमर्शियल लॉस काफी ज्यादा है। साल 2015 में इस बात पर सहमति बनी थी कि केंद्र सरकार और मेघालय सरकार मिलकर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को 24 घंटे निर्बाध, सस्ती, गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति करेंगे। इस पहल से मेघालय की आम जनता के साथ ही इंडस्ट्री और बिजनेस को भी फायदा मिलेगा। उम्मीद की जा रही है कि बेहतर पावर सप्लाई से लोगों की आमदनी बढ़ेगी।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गांगुली-कोहली को नोटिस:ऐप पर पैसे हारने वाले लोगों की गई थी जान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष सौरव गांगुली और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली को मद्रास हाई कोर्ट की मदुरई बेंच ने नोटिस जारी किया है। ये नोटिस ऑनलाइन स्पोर्ट्स फैंटेसी ऐप के प्रचार करने के लिए जारी किया गया। जस्टिस एन किरुबकरान और बी पुग्लेनिधि की बेंच ने इन दोनों से 19 नवंबर तक जवाब मांगा है।

स्पोर्ट्स वेबसाइट स्पोर्ट्सकीड़ा के मुताबिक कुछ एक्टर्स को भी नोटिस जारी किया गया। मोहम्मद रिजवी नाम के वकील ने कोर्ट में याचिका दायर की थी। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि ऐप में पैसे हारने के बाद राज्य के कई युवाओं ने सुसाइड कर लिया। उन्होंने कोहली और गांगुली पर ऐसे ऐप्स का प्रचार करने का आरोप लगाया।

जिसपर एक्शन लेते हुए मदुरई बेंच ने नोटिस जारी किया। बेंच ने कहा कि ये सभी ऐप्स इंडियन प्रीमियर लीग की चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमों के नाम पर हैं। कई ऐप्स तो राज्यों के नाम पर भी हैं। बेंच ने ये भी पूछा कि क्या क्षछछ की सभी टीमें राज्यों की तरफ से खेल रही हैं। बेंच ने ऐप्स के मालिकों पर पैसे कमाने के लिए सेलिब्रिटीज का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया।

आईपीएल : मुंबई की नजर 5वें खिताब पर

दिल्ली-बेंगलुरु के पास पहली बार चैम्पियन बनने का मौका

दुबई ■ एजेंसी

आईपीएल में लीग राउंड के सभी मैच खेले जा चुके हैं। मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने प्ले-ऑफ में अपनी जगह बना ली है। दिल्ली और बेंगलुरु के पास अपना पहला खिताब जीतने का मौका होगा। वहीं, मुंबई 5वीं और हैदराबाद तीसरी बार चैंपियन बनना चाहेगी।

दुबई में खेले जाने वाले पहले क्वॉलिफायर में 5 नवंबर को मुंबई और दिल्ली की टीमें आमने-सामने होंगी। 6 नवंबर को अबु धाबी में हैदराबाद और बेंगलुरु के बीच एलिमिनेटर खेला जाएगा।

मुंबई इंडियंस के पास लगातार दूसरा खिताब जीतने का मौका

डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस ने पिछले सीजन के फॉर्म को इस सीजन में भी जारी रखा। चेन्नई के खिलाफ सीजन का पहला मैच हारने के बाद टीम ने जबरदस्त वापसी की और लगातार दूसरी बार प्ले-ऑफ में जगह बनाई। यह टीम इस सीजन में काफी बैलेंस्ड नजर आई।टीम को बैट्समैन और बॉलर्स ने अहम मौकों पर अपने दम पर टीम को जीत दिलाई। 3 बैट्समैन क्विंटन डिकॉक, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव 400+ रन बना चुके हैं। वहीं, टीम के 3 बॉलर्स सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले की लिस्ट में टॉप-10 में शामिल हैं। मुंबई ने सबसे ज्यादा 4 बार (2019, 2017, 2015, 2013) खिताब जीता है।

दिल्ली की टीम लगातार दूसरी बार प्ले-ऑफ में पहुंची

दिल्ली की टीम ने सीजन की शुरूआत में कुछ अच्छे बदलाव किए। फ्रैंचाइजी ने शिखर धवन और अजिंक्य रहाणे जैसे बैट्समैन को टीम में शामिल किया। आर अश्विन जैसे स्पिनर को टीम से जोड़ा। सीजन में 19 विकेट ले चुके एनरिच नोर्तजे को भी क्रिस वोक्स के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया गया। ये सभी फैसले सही साबित हुए।
गेंदबाजी की दम पर दिल्ली ने सीजन में 6 बार टारगेट डिफेंड किए। दिल्ली ने लगातार दूसरी बार प्ले-ऑफ में जगह बनाई। पिछली बार क्वॉलिफायर-2 में उसे चेन्नई के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

हैदराबाद 5वीं बार प्ले-ऑफ में

हैदराबाद की टीम 2016 के बाद से लगातार 5वीं बार प्ले-ऑफ में पहुंची है। टीम ने दो बार (2009, 2016) में खिताब जीत चुकी है। टूर्नामेंट में शुरूआती दौर में पिछड़ने के बाद टीम ने शानदार कमबैक किया। आखिरी 3 मैच जीतकर बेहतर नेट रन रेट की वजह से टीम ने प्ले-ऑफ में जगह बनाई। इस सीजन में टीम बैलेंस्ड नजर आई। कप्तान डेविड वॉर्नर की अगुवाई में बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। वॉर्नर ने 500, मनीष पांडे और बेयरस्टो ने टूर्नामेंट में 300 से ज्यादा रन बनाए हैं। वहीं, राशिद खान, संदीप शर्मा और टी नटराजन ने टीम को भुवनेश्वर कुमार की कमी नहीं खलने दी। भुवनेश्वर चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे।

बेंगलुरु टॉप-4 में

बेंगलुरु के पास पहली बार खिताब जीतने का मौका होगा। एक्सपीरियंस और युवा खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन की बदौलत टीम प्ले-ऑफ में पहुंचने में कामयाब रही।पहली बारखेल रहे देवदत्त पडिक्कल ने टीम की तरफ से सबसे ज्यादा 472 रन रन बनाए हैं। युजवेंद्र चहल (20 विकेट) सीजन के टॉप-5 बॉलर्स की लिस्ट में एकमात्र स्पिनर हैं।

न्यूज. ब्रीफ

कप्तान के रिव्यू लेने पर मैदानी अंपायर का फैसला हटा देना चाहिए: शेन वार्न

शारजाह। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज लेग स्पिनर शेन वार्न अक्सर क्रिकेट को लेकर अपनी राय देते रहे हैं। इस बार शेन वार्न का मानना है कि एक बार कप्तान द्वारा रिव्यू लेने के बाद ऑन फील्ड अंपायर के फैसले को हटा दिया जाना चाहिए। इस बारे में वार्न ने ट्वीट किया है। इससे पहले शेन वार्न टी20 मैच में एक गेंदबाज द्वारा 5 ओवर कराए जाने की सलाह दे चुके हैं। यहां तक एक अन्य सलाह उन्होंने इस प्रकार दी थी कि टी20 मैच में गेंदबाजों को मदद मिलने वाली पिचों का निर्माण होना चाहिए। वहीं, मंगलवार की शाम को ट्वीट करते हुए शेन वार्न ने कहा, ↑मैं इस बारे में बोलता रहूंगा। अगर कोई कप्तान रिव्यू लेता है तो मैदानी अंपायर के फैसले को हटा देना चाहिए, क्योंकि आपके पास एक ही बॉल नहीं हो सकती है, जो आउट या नॉट आउट हो। एक बार ऐसा होने के बाद यह आसान और स्पष्ट होगा, फिर चाहे वो आउट हो या नॉट आउट हो। इससे यह भी साफ हो जाएगा कि इससे अंपायरों को अपने फैसले लेने का अधिकार मिल रहा है या नहीं। अंपायर कॉल होने से अंपायर के प्रदर्शन के सारांश में मदद मिलती है। ओरिजनल ऑन फील्ड निर्णय खत्म किया जाए, जिससे कोई अंपायर कॉल नहीं होगी।

रितुराज गायकवाड़ ने धोनी के बारे में किया ये पोस्ट

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज रितुराज गायकवाड़ अब भारत लौट आए हैं, क्योंकि टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई थी। आइपीएल 2020 के लीग फेज में अपना आखिरी मैच खेलने के बाद सीएसके के सभी खिलाड़ी भारत आ गए हैं और इस बीच रितुराज गायकवाड़ ने टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धौनी को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। रितुराज गायकवाड़ ने कहा है कि 22 गज की पट्टी पर एमएस धौनी के साथ खड़े होना किसी सपने से कम नहीं था।इंस्टाग्राम पर अपनी और धौनी की एक तस्वीर को शेयर करते हुए रितुराज गायकवाड़ ने लिखा है, अक्टूबर 2016 को मैं उनसे पहली बार मिला था, जब मेरा रणजी डेब्यू था और उस मैच में मेरी उंगली में फ्रैक्चर हो गया था। उस समय एमएस धौनी झारखंड टीम के मेंटॉर थे। वह खुद मेरे आए और मुझसे पूछा कि मैं कैसा हूं।↑ इस स्टोरी में रितुराज गायकवाड़ ने आगे बताया कि कैसे चार साल के बाद अक्टूबर में ही एक बार फिर से धौनी उनके पाए और जिंदगी की सच्चाई बताई।

रहाणे से मिली स्थिरता, मैं अब खुलकर खेल सकता हूं: शिखर धवन

दुबई। आईपीएल के क्वालीफायर 1 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ उतरने से एक दिन पहले दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज और इस टूर्नामेंट में लगातार दो शतक ठोक चुके शिखर धवन ने एक बड़ा दावा किया है। बुधवार को शिखर धवन ने कहा है कि अजिंक्य रहाणे टीम में स्थिरता लाए हैं और इससे उन्हें अपनी टीम के लिए बल्लेबाजी की ओपनिंग करते हुए खुद को अभिव्यक्त करने की आजादी मिलती है।रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ 153 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शिखर धवन ने 54 और अंजिक्य रहाणे ने 60 रन की पारी खेली थी। इस मैच को दिल्ली ने 6 विकेट से जीता था। इसी जीत के साथ दिल्ली कैपिटल्स ने आइपीएल के 13वें सीजन के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया था और अंकतालिका में दूसरे नंबर पर रहने के नाते टीम अब क्वालीफायर वन में मुंबई का सामना करेगी। इस तरह फाइनल में पहुंचने के लिए दिल्ली को दो मौके मिलेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मीडिया से बात करते हुए शिखर धवन ने कहा, ↑हां, बिल्कुल, रहाणे के आने से टीम में स्थिरता आती है, आरसीबी के खिलाफ हमारे आखिरी मैच में, उन्होंने एक अद्भुत पारी खेली, हमारी टीम में इस तरह के अनुभव के साथ, मैं खेल को विपक्षी टीम से दूर ले जाने के लिए स्वतंत्र रूप से खेल सकता हूं।

रोहित की चोट पर विवाद

सहवाग बोले- रोहित आईपीएल खेल सकते हैं, तो टीम इंडिया में जगह क्यों नहीं?

दुबई ■ एजेंसी

मंगलवार को रोहित शर्मा ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में वापस की। चोट के कारण वह चार मैच नहीं खेल पाए थे। चोट की वजह से उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम इंडिया में शामिल नहीं किया गया है।

पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि रोहित शर्मा की स्थिति के बारे में कोच रवि शास्त्री को जानकारी नहीं होगी, ऐसा नहीं हो सकता है। सहवाग ने रविवार को क्षछछ के अंतिम लीग में रोहित ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ वापसी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में खेले थे। वह चोट के कारण पिछले चार मैचों से आईपीएल में नहीं खेले थे। चोट के कारण ही ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए किसी भी फॉर्मेट में उन्हें टीम इंडिया में शामिल नहीं किया गया था। सहवाग ने कहा कि जब वह फ्रेंचाइजी के लिए खेल सकते हैं, तो टीम इंडिया के लिए क्यों नहीं खेल सकते हैं।

उन्होंने कहा मैं हैरान हूं कि कोई खिलाड़ी फ्रेंचाइजी के लिए खेलने के लिए तैयार है। और उसे टीम इंडिया में चयन नहीं किया गया है। मैं बीसीसीआई के मिस मैनेजमेंट से हैरान हूं। उन्हें यह जानकारी लेनी चाहिए की वह आईपीएल में अपनी फ्रेंचाइजी टीम से खेल सकते हैं, तो उन्हें टीम इंडिया में क्यों नहीं शामिल किया गया। अगर वह चोटिल हैं तो उनकी जगह पर दूसरे खिलाड़ी को बुलाया जा सकता है। लेकिन उन्हें टीम में शामिल नहीं किया जाना हैरान करने वाला है।

रोहित ने कहा- वह फिट हैं

रोहित ने मंगलवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच से कमेंटेटर मार्क निकोलस ने जब उनसे उनकी पूछा कि क्या उनके हामस्ट्रिंग पूरी तरह से ठीक है तो उनका जवाब था, बिल्कुल।

शास्त्री ने कहा था कि वह चयन के हिस्सा नहीं है

कुछ दिन पहले टीम इंडिया के कोच रवि शास्त्री ने एक चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा था कि वह चयन के हिस्सा नहीं है। ऐसे में वह स्पष्ट कारण नहीं बता सकते हैं, कि रोहित को ऑस्ट्रेलिया दौरे के तीनों फॉर्मेट से बाहर क्यों रखा गया। उन्होंने कहा था कि रोहित की मेडिल रिपोर्ट के अनुसार अगर वह जल्दी वापसी करते हैं, और दोबारा चोट लगती है तो वह गंभीर हो सकती है। उन्होंने सुझाव दिया था, कि वह वापसी लिए जल्दीबाजी न करें।

सहवाग बोले- शास्त्री का बयान गलत

सहवाग ने कहा - मैं यह नहीं मान सकता कि रवि शास्त्री को रोहित की स्थिति के बारे में पता नहीं होगा। अगर वह चयन कमिटी का हिस्सा नहीं होंगे, तो एक - दो दिन पहले चयनकताओं ने उनके विचार को जाना होगा कि वह टीम को लेकर क्या सोच रहे हैं। उनसे फीडबैक भी लिया होगा।

पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ल्यूक रोंची न्यूजीलैंड के नए बैटिंग कोच होंगे

कैपटाउन ■ एजेंसी

न्यूजीलैंड के नए बैडमिंटन कोच ल्यूक रोंची टीम के साथ पिछले दो साल से जुड़े हुए हैं। 2019 वनडे वर्ल्डकप में भी टीम के साथ जुड़े हुए थे। न्यूजीलैंड उपविजेता थी। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ल्यूक रोंची न्यूजीलैंड का नए बैटिंग कोच होंगे। जुलाई में पीटर फुल्टन के रिजाइन देने के बाद बैटिंग कोच का पद खाली था। रोंची न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह टीम के हेड कोच गैरी स्टीड, और बॉलिंग कोच शेन जोर्गेनसन से जुड़ेंगे।

रोचीं ने 4 टेस्ट मैचों में 39.87 की औसत से 319 रन बनाए हैं। जबकि 86 वनडे मैचों में 23.67 की औसत से 1397 रन बनाए हैं। 33 टी-20 मैंचों में 17.95 की औसत से 359 रन बनाए हैं। वह टीम के साथ पिछले दो सालों से जुड़े हुए हैं।

2019 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड की टीम उपविजेता रही थी। रोंची ने कहा? ↑टीम के बल्लेबाजों के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं इसको लेकर उत्सुक हैं, कि मैं बल्लेबाजों को उनके उच्चतम स्तर के प्रफॉरमेंस पर पहुंचने के लिए की जा रही तैयारियों में कितनी मदद कर सकता हूं। मैं टीम के हेड कोच गैरी स्टीड और टीम के अन्य सहयोगी स्टाफ के साथ मिलकर समर के चार टूर की चुनौतियों से निपटने के लिए योजना बना रहा हूं। रोंची ने 2017 तक न्यूजीलैंड के लिए खेला है। वह क्रिकेट वेलिंगटन के डवलपमेंट प्रोग्राम के साथ भी जुडे रहे हैं। वहीं पाकिस्तान सुपर लीग में इस्लामाबाद युनाइटेड के खिलाड़ियों को भी ट्रेनिंग दी है।

भारत के खिलाफ सीरीज से पहले हेजलवुड एक दिन लाल गेंद से

मेलबर्न ■ एजेंसी

आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के अनुसार एक पूरा दिन लाल गेंद से अभ्यास या एक अभ्यास मैच भारत के खिलाफ 17 दिसंबर से एडीलेड में शुरू होने वाली चार टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारियों के लिये पर्याप्त होगा। हेजलवुड और उनके साथी डेविड वार्नर, पैट कमिंस और स्टीव स्मिथ यूएई में इंडियन प्रीमियर लीग 2020 का हिस्सा रहे और इसके चलते वे टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिये शैफील्ड शील्ड टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए हैं।भारत इस दौरे की शुरूआत 27 नवंबर से तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज से करेगा।इनमें से आखिरी दो मैच छह से आठ दिसंबर के बीच ड्रमोइन ओवल में इंडिया ए के खिलाफ होने वाले तीन दिवसीय मैच के दौरान खेले जाएंगे।

सोने की बढ़ी चमक, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

घरेलू सरार्फा बाजार में बुधवार को सोने की हाजिर कीमतों में बढ़ोत्तरी दर्ज हुई है और चांदी की हाजिर कीमत में भारी गिरावट दर्ज की गई है। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के अनुसार, बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोने के हाजिर भाव में 111 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। इस बढ़त से दिल्ली में सोने का भाव 50,743 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। सिक्युरिटीज के अनुसार, भारतीय रुपये में तेज गिरावट के चलते सोने के भाव में यह बढ़त दर्ज की गई। गौरतलब है कि पिछले सत्र में मंगलवार को सोना 50,632 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था।

हालांकि, चांदी के हाजिर भाव में बुधवार को जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई। चांदी में बुधवार को 1,266 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट से चांदी का भाव 60,669 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया है। गौरतलब है कि पिछले सत्र में मंगलवार को चांदी का भाव 61,935 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था।

भारतीय रुपये की बात करें, तो इसमें बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव परिणामों के चलते अमेरिकी मुद्रा में मजबूती के कारण 35 पैसे की गिरावट दर्ज की गई और यह एक डॉलर के मुकाबले 74.76 पर बंद हुआ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें, तो बुधवार को सोना गिरावट के साथ 1,895 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेंड करता दिखा। वहीं, चांदी भी गिरावट के साथ 23.60 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेंड करती दिखाई दी।

एचडीएफसी सिक्युरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) तपन पटेल ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव परिणामों को लेकर अनिश्चितता के चलते डॉलर में मजबूती के कारण सोने की कीमतों में बिकवाली का प्रभाव देखने को मिला।

दूसरी तिमाही में एसबीआई का शुद्ध लाभ 52 फीसद बढ़ा

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (रइक) को मौजूदा वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही में अच्छा-खासा मुनाफा हुआ है। देश के सबसे बड़े बैंक का शुद्ध लाभ जुलाई से सितंबर तिमाही में 51.9 फीसद बढ़कर 4,574 करोड़ रुपये रहा है। बैंक का शुद्ध लाभ एक साल पहले की समान अवधि में 3,012 करोड़ रुपये रहा था। शुद्ध ब्याज आय और संचालन आय बढ़ने व कम प्रोविजन के चलते बैंक के शुद्ध लाभ में यह इजाफा हुआ है। एसबीआई ने एक विज्ञप्ति में बताया कि उसका दूसरी तिमाही में स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ 4,574.16 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने बताया कि इस दौरान उसकी शुद्ध ब्याज आय में 14.6 फीसद की बढ़ोत्तरी हुई।

पेंशनर्स ऑनलाइन माध्यम से जमा करा सकते हैं अपना जीवन प्रमाण पत्र

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

पेंशनर्स के लिए यह वह समय है, जब उन्हें अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करना होता है। आमतौर पर जीवन प्रमाण पत्र को ऑफलाइन जमा कराने की तिथि 1 नवंबर से 31 दिसंबर तक होती है। हालांकि, ऑनलाइन माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र साल में कभी भी जमा कराया जा सकता है। कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने अनावश्यक भीड़ और कतार में खड़े होने से बचने के लिए पेंशनर्स को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कराने की सलाह दी है। मंत्रालय ने बताया है कि पेंशनर्स अपने निकटतम सीएससी (उरउ) केंद्र में डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करा सकते हैं। इसके अलावा पेंशनर्स अपनी बैंक की शाखा और उमंग ऐप पर भी जीवन प्रमाण पत्र जमा करा सकते हैं। पेंशनर्स को जीवन प्रमाण पत्र इसलिए जमा कराना होता है, ताकि उन्हें समय पर पेंशन मिलती रहे। जीवन प्रमाण पत्र जमा कराने की तारीख से एक साल तक के लिए वैध होता है।

मंत्रालय ने पेंशनर्स को यह भी सलाह दी कि वे जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करते समय अनिवार्य कोविड-19 दिशानिदेशों का पालन करें। यहां आपको बता दें कि डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए आपका पेंशन अकाउंट आधार नंबर के साथ लिंक होना आवश्यक है।

पहली बार ऑनलाइन लाइफ सर्टिफिकेट जमा करा रहे पेंशनर्स को बैंक, पोस्ट ऑफिस या किसी दूसरी सरकारी एजेंसी द्वारा चलाए जा रहे जीवन प्रमाण सेंटर के जरिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेशन के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। पेंशनर्स क्लाइंट का ऐप डाउनलोड कर-के ऑनलाइन भी रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। पेंशनर्स उमंग ऐप के माध्यम से मोबाइल पर भी लाइफ सर्टिफिकेट जेनरेट कर सकते हैं।

इस तरह ऑनलाइन जमा कराएं जीवन प्रमाण पत्र

- **स्टेप** 1-इसे पेंशन बांटने वाले बैंक, उमंग ऐप या सीएससी के माध्यम से जमा कराया जा सकता है।
- **स्टेप** 2-इसके लिए पेंशनर्स को यूनीक प्रमाण लेनी होगी। यह क्ळ पेंशनर्स के आधार नंबर और बायोमीट्रिक के जरिए जनरेट होती है। पहली बार लोकल सिटिजन सर्विस सेंटर जाकर आईडी जनरेट की जा सकती है।
- **स्टेप** 3-पेंशनर्स को यहां अपना पेंशन पेमेंट ऑर्डर, पेंशन अकाउंट नंबर, आधार नंबर, मोबाइल नंबर और बायोमीट्रिक देना होगा। इसके बाद पेंशनर के मोबाइन पर एक रटर आएगा, जिसमें प्रमाण क्ळहोगा।
- **स्टेप** 4-इसके बाद आप जीवन प्रमाण पोर्टल पर जाकर ऑलाइन माध्यम से अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करा सकते हैं।

बैठक

मिल रहे कई सकारात्मक संकेत- केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर

बहुत तेजी से पटरी पर लौट रही है अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई। इस बैठक में कई समझौते हुए और देश की मौजूदा आर्थिक हालत के बारे में चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कैबिनेट की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में लुहरी हाइड्रो प्रोजेक्ट को अनुमती मिली है। साथ ही तीन समझौते और एक एग्रीमेंट हुआ। इस बैठक में कैबिनेट ने अर्थव्यवस्था की रिकवरी पर संतोष जाहिर किया।

हाइड्रो प्रोजेक्ट को मिला फंड

कैबिनेट की बैठक में हिमाचल के लुहरी हाइड्रो प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई। यह 210 मेगावाट का प्रोजेक्ट 1810 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होगा। इससे 775 करोड़ यूनिट बिजली हर साल मिलेगी। जावडेकर ने बताया कि यह सतलुज जल विद्युत निगम के मार्फत है। यह जल विद्युत और ट्रांसमिशन में है। इस प्रोजेक्ट में केंद्र और राज्य सरकार की मदद मिलेगी। यह रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट है। जावडेकर ने बताया कि इस प्रोजेक्ट से दो हजार लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होगा।

तीन समझौते व एक एग्रीमेंट

जावडेकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि भारत और इजराइल के बीच स्वास्थ्य व दवा क्षेत्र में एक समझौता हुआ है। साथ ही भारत और इंग्लैंड के बीच भी स्वास्थ्य सेवा के बारे में एक समझौता हुआ है। इसके अलावा भारत और इंग्लैंड दूरसंचार और आईसीटी क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे। उधर भारत और स्पेन के बीच वैज्ञानिक व तकनीकी सहयोग को लेकर एक समझौता हुआ है। कैबिनेट की बैठक में अर्थव्यवस्था की रिकवरी को लेकर संतोष जताया गया। जावडेकर ने बताया कि बिजली की मांग 12 फीसद बढ़ी है। हालांकि, अगस्त- अक्टूबर में खेती में अच्छी वर्षा के चलते ज्यादा बिजली खपत नहीं हुई और रेलवे ने भी पूरी तरह शुरू ना होने के कारण कम बिजली की खपत की। इसका अर्थ है कि उद्योगों से आई मांग के कारण बिजली की खपत में वृद्धि हुई है। साथ ही उन्होंने बताया कि अक्टूबर महीने में जीएसटी एक साल पहले की समान अवधि से अधिक एक लाख पांच हजार करोड़ रुपये प्राप्त हुआ।जावडेकर ने कहा कि एक तरह से सभी क्षेत्रों में सतत मांग का विकास नजर आ रहा है। उत्पादन के लिए इनपुट की खरीद भी बढ़ी है। सात ही स्टील व अन्य क्षेत्र में निर्यात व मांग बढ़ी है। उन्होंने बताया कि अकेले यूपीआई से डिजिटल ट्रांजेक्शन 200 करोड़ के पार चला गया है। रेलवे की माल ढुलाई से आय बढ़ी है।

एक नजर...

पड़ाव व फूलबाग चौराहे पर भिखारियों का कब्जा

ग्वालियर। ग्वालियर में जिला , पुलिस प्रशासन और स्मार्ट सिटी डव्लपमेंट कारपोरेशन कितने ही दावा क्यों न करें कि हमने विभिन्न चौराहों की कायापलट कर दी है लेकिन असलियत इससे उतर है। भीड भरे चौराहों पर वाहनों के लिये सिस्टम व्यवस्थित नहीं है, वहीं चौराहों पर भिखारियों का भी कब्जा है, जो आम वाहन चालक व कार सवारों से भीख मांगने के लिये अडे रहते हैं, जिससे वाहन चालक बहुत परेशान होते हैं। सबसे ज्यादा भिखारी पडाव और फूलबाग चौराहे पर इनकी संख्या एक दर्जन से भी ऊपर है, और यह वाहन चालकों को परेशान करते हैं। इन भिखारी लोगों में महिलाओं की संख्या ज्यादा है, जो गर्भवती हैं अपने पेट व होने वाले बच्चे के नाम पर भीख मांगने को लेकर अढी रहती हैं। भीख मांगने वालों की बढ़ती भीड़ से अन्य शहरों से आने वाले पर्यटकों के सामने ग्वालियर की छवि धूमिल होती है। इसके बाद भी इसके बाद भी पडाव पुलिस भी इन पर कार्रवाई नहीं करती। पडाव और फूलबाग चौराहों पर भिखारियों से परेशान होकर वाहन चालक अपने वाहन के शीशे भी बंद कर लेता है, लेकिन यह भिखारी कांच व कार के दरवाजे पर हाथ मारकर जबरदस्ती भीख मांगते हैं। ऐसे में पुलिस व जिला प्रशासन को चाहिये कि इन भिखारियों को तत्काल पकड़ कर सुधार गृह में भेजा जाये, और इनको भीख की जगह काम उपलब्ध कराया जाये ताकि यह भीख मांगकर पेट भरने की जगह काम करकर पेट भर सके।

कलेक्टर श्री दत्ता ने मतगणना कर्मियों के प्रशिक्षण में दिए निर्देश

मतगणना कर्मी मतगणना कार्य को पूरी सतर्कता, सावधानी एवं पारदर्शिता के साथ करें

दतिया। लेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बी. विजय दत्ता ने मतगणना कार्य संपादित कराये जाने हेतु नियुक्त किए गए मतगणना कर्मियों के प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कहा कि मतगणना कार्य पूरी सतर्कता, सावधानी एवं पारदर्शिता के साथ करें। मतगणना कार्य के दौरान अगर किसी प्रकार की शंका हो तो उसे प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स से दूर करायें। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दत्ता गुरूवार को नवीन कलेक्ट्रेट दतिया के सभाकक्ष में भाण्डेर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र (अ.जा.) में 3 नवम्बर को डाले गए मतों की गणना हेतु नियुक्त किए गए मतगणना कर्मियों के प्रशिक्षण को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर, उपजिला निर्वाचन अधिकारी श्री अशोक सिंह चौहान, जिला योजना अधिकारी श्री एसएस सिसौदिया, मास्टर ट्रेनर्स डॉ. रतन सूर्यवंशी सहित संबंधित अधिकारी और मतगणन कार्य में लगे कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री दत्ता ने मतगणना कर्मियों के प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान के उपरांत मतगणना का कार्य एक महत्वपूर्ण कार्य है। मतगणना कार्य में लगे अधिकारी एवं कर्मचारी आयोग के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए प्रशिक्षण में मतगणना से संबंधित जो दिशा निर्देश दिए जाए उनका भलीभांत पालन कर मतगणना कार्य सम्पन्न कराए। उन्होंने मतगणना कर्मियों से कहा कि अगर उन्हें मतगणना कार्य के संबंध में किसी प्रकार की शंका हो तो उन शंकाओं का निराकरण भी प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से दूर कराए। मतगणना का कार्य पूरा आत्म विश्वास के साथ संपादित कराए। उल्लेखनीय है कि मतगणना 10 नवम्बर को प्रातः 8 बजे से शासकीय पॉलीटैक्निक महाविद्यालय दतिया में बनाए गए मतगणना केन्द्र पर होगी। मतगणना का कार्य दो कक्षों में सात-सात टेबलों पर किया जायेगा। प्रत्येक टेबल पर एक-एक एआरओ रहेंगे। मतगणना कार्य हेतु 20 मतगणना पर्यवेक्षक एवं 20 मतगणना सहायक नियुक्त किए गए है।

भाण्डेर विधानसभा उपनिर्वाचन मतगणना कार्य हेतु मतगणना सहायक नियुक्त

दतिया। दतिया जिले की भाण्डेर (अ.जा.) विधानसभा उप निर्वाचन हेतु 3 नवम्बर को डाले गए मतों की गणना 10 नवम्बर 2020 को शासकीय पॉलीटैक्निक महाविद्यालय दतिया में बनाए गए मतगणना केन्द्र पर की जायेगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बी. विजय दत्ता ने आदेश जारी कर मतगणना कार्य हेतु रिटर्निंग ऑफीसर भाण्डेर श्री अरविन्द सिंह माहौर की सहायता हेतु 20 मतगणना सहायकों को नियुक्त किया है। कलेक्टर द्वारा इस संबंध में जारी आदेश में नियुक्त मतगणना सहायकों सहायक प्राध्यापक श्री आरएन वर्मा, सहायक प्राध्यापक श्री संजय श्रीवासतव, सहायक प्राध्यापक श्री केएस दादौरिया, सहायक प्राध्यापक डॉ. एसआर लाहोरिया, सहायक प्राध्यापक डॉ. अरविन्द यादव, सहायक प्राध्यापक श्री सुदीप कुमार साकेत, उपयंत्री श्री पीके मिश्रा, प्राचार्य श्री एके जारौलिया, प्राध्यापक श्री राहुल मितत्तल, व्याख्याता श्री मनोज द्विवेदी, प्राचार्य श्री बीके उज्जैनिया, व्याख्याता श्री एसएस गुप्ता, वरिष्ठ अध्यापक श्री अशुतोष श्रीवास्तव, व्याख्याता श्री एसके झा, प्राचार्य श्री एचएस प्रजापति, प्राचार्य श्री केके गुप्ता, प्राचार्य री उन्मेश श्रीवास्तव, सहायक वाणिज्यकर अधिकारी श्री विवेक गोड़, ब्लाक शिक्षा अधिकारी श्री एसके वर्मा, और प्राचार्य श्री बीके पटवा शामिल है। उक्त सभी अधिकारी मतणगना दिनांक को प्रातः 7 बजे मतगणना स्थल पहुंचेगे।

विधानसभा उप निर्वाचन-2020

मतगणना अमले ने सीखीं ईवीएम से वोट गिनने की बारीकियाँ

ग्वालियर। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में डाले गए मतों की गिनती के लिये तैनात किए गए अधिकारियों व कर्मचारियों को गुरूवार को यहाँ भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान में प्रथम चरण का प्रशिक्षण दिया गया। मतगणना के लिये तैनात अमले ने खासतौर पर ईवीएम में दर्ज मत गिनने की बारीकियाँ सीखीं। मतगणना अमले के साथ-साथ माइक्रो ऑब्जर्वर को भी प्रशिक्षित किया गया। वीवीपैट की पर्चियाँ गिनने व उनका महत्व भी मतगणना अमले को बताया गया। मतगणना व्यवस्था के प्रभारी एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा भी प्रशिक्षण के दौरान मौजूद थे। प्रथम चरण के प्रशिक्षण में गणना पर्यवेक्षक व गणना सहायकों को इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन से मतगणना करने की बारीकियां सिखाई गईं। प्रथम चरण के प्रशिक्षण में लगभग 225 अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिये 75 गणना पर्यवेक्षक, 80 गणना सहायक व 75 माइक्रो ऑब्जर्वर प्रशिक्षित किए गए हैं।

प्रशिक्षण में बताया गया कि हर गणना टेबल पर एक - एक गणना पर्यवेक्षक, गणना सहायक व माइक्रो ऑब्जर्वर तैनात रहेंगे। इस प्रकार एक टेबल पर तीन अधिकारी तैनात किए जायेंगे। गणना पर्यवेक्षक सीधे निर्वाचन प्रेक्षक को अपनी रिपोर्ट देंगे। जिले के हर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की गिनती दो - दो कक्षों में होगी। हर कक्ष में सात - सात टेबल लगाई जायेंगीं। इस प्रकार एक राउण्ड में 14 टेबलों पर मतगणना होगी। इसके अलावा हर विधानसभा क्षेत्र के एक कक्ष में डाक मत पत्रों की गिनती के लिये डाक मत पत्रों की संख्या के आधार पर अलग से टेबल लगाई जायेंगीं। हर कक्ष में सहायक रिटर्निंग अधिकारी की टेबल अलग से लगेगी। मतगणना प्रभारी एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने मतगणना के लिये तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों को हिदायत दी कि मतगणना के दौरान स्वयं कोरोना गाइडलाइन का पालन करें और मतगणना अभिकर्ताओं से भी इसका पालन कराएँ। उन्होंने कहा मतों की गिनती का काम पूरी तरह मुस्तैद होकर व सावधानी के साथ करें। मतों की गिनती के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का भी कड़ाई से पालन किया जाए। गणना पर्यवेक्षक एवं गणना सहायकों को बताया गया कि मतगणना का काम पूरी पारदर्शिता एवं भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए करें। प्रत्याशियों के गणना अभिकर्ताओं को भी कंट्रोल यूनिट की डिस्प्ले दिखाकर प्रत्याशीवार डाले गए मतों की जानकारी अवश्य बताएं।

प्रथम चरण का प्रशिक्षण सम्पन्न

प्रशिक्षण के दौरान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ग्वालियर के रिटर्निंग अधिकारी श्री प्रदीप तोमर, ग्वालियर पूर्व के रिटर्निंग अधिकारी श्री एच बी शर्मा व विधानसभा क्षेत्र डबरा के रिटर्निंग अधिकारी श्री प्रदीप कुमार शर्मा व मतगणना व्यवस्था से जुड़े जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. विजय दुबे सहित तीनों विधानसभा क्षेत्रों के सहायक रिटर्निंग अधिकारी मौजूद थे। मास्टर ट्रेनर्स श्री एस बी ओझा, डॉ. आर के श्रीवास्तव व डॉ. अमरकांत चतुर्वेदी ने मतगणना अमले को प्रशिक्षित किया। ज्ञात हो भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 15-ग्वालियर, 16-ग्वालियर पूर्व एवं 19-डबरा (अजा) में गत 3 नवम्बर को डाले गए मतों की गिनती 10 नवम्बर को की जायेगी।

पहले डाक मत पत्रों की गिनती शुरू होगी-भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के मुताबिक 10 नवम्बर को प्रात 8 बजे डाक मत पत्रों की गिनती शुरू होगी। इसके आधा घंटे बाद ईवीएम के वोटों की गिनती शुरू की जायेगी। दोनों प्रकार के मतों की गिनती समानान्तर रूप से जारी रह सकेगी। केवल उन्हीं डाक मत पत्रों की गिनती होगी जो मतगणना शुरू होने से पहले अर्थात 10 नवम्बर को प्रात 8 बजे से पूर्व प्राप्त हो जायेंगे।

वीवीपैट की पर्चियाँ गिनने की प्रक्रिया भी बताई-मास्टर ट्रेनर श्री एस बी ओझा ने मतगणना अमले को बताया कि हर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में रेण्डम रूप से 5 मतदान केन्द्र के वीवीपैट की पर्चियों की गिनती अनिवार्यत की जायेगी। पहले हर विधानसभा क्षेत्र में रेण्डम रूप से एक वीवीपैट की पर्चियों की गिनती कर ईवीएम से मिलान करने का प्रावधान था।

मोबाइल फोन व अन्य कोई सामग्री लेकर आने की अनुमति नहीं-मतगणना अमले को यह भी बताया गया कि मतगणना दिवस को प्रात 6 बजे अनिवार्यत मतगणना परिसर में प्रवेश कर लें। मतगणना परिसर में मोबाइल फोन, तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट, माचिस व लाइटर इत्यादि पूर्णत प्रतिबंधित है। इसलिये मतगणना कर्मी प्रवेश पत्र के अलावा कोई अन्य सामग्री लेकर कदापि न आएँ।

परमात्म प्राप्ति के लिए भीतर शांति लाना बहुत आवश्यक है-मुनिश्री

ग्वालियर/दतिया सोनागिर- परमात्मा, सतगुरू, शान्ति, आनन्द, प्रेम कहीं दूर नहीं, तुम्हारे ही पास है। परमात्मा मन्दिर, मस्जिद में हो भी सकता है और नहीं भी, परन्तु वह तुम्हारे अन्तर्मानस में नित्य-प्रति विराजमान है। उसके नित्य प्रति तुम दर्शन कर सकते हो। परमात्मा तुम्हें इसी क्षण मिल सकता है आवश्यकता है केवल देखने की। संघर्ष तनाव से परमात्मा नहीं मिल सकता, परमात्म प्राप्ति के लिए भीतर शांति लाना बहुत आवश्यक है। क्रोध जड़ पर नहीं चेतन पर आता है। हम हमेशा किसी व्यक्ति वस्तु अथवा परिस्थिति के वश होकर क्रोध करते हैं। क्षमा के भाव से भीतर शान्ति, प्रेम, तृप्ति आती है। यह बात क्रांतिकारी मुनिश्री प्रतीक सागर महाराज ने आज बुधवार को सोनागिर स्थित आचार्यश्री पुष्पदंत सागर सभागृह में धर्म सभा को संबोधित करते हुए कही!

मुनिश्री ने कहा कि जब तक व्यक्ति का हृदय प्रेमपूर्ण नहीं है तब तक साधना नही हों सकती । साधना में लीन हो जाओ। व्यक्ति खींचा चला आएगा। आदमी बन जाओ, परमात्मा अपने आप मिलेगा। सेवा करो, भक्ति करो इस जीवन को सफल बनाओ। सारे झगड़े परमात्मा को स दो। आप केवल शरण-भाव से जीओ। परमात्मा की बात करो। सीमंधर स्वामी अरिहंत का नाम स्मरण करो। आज के युग की जितनी भी बीमारियॉ हैं वे इस तन से नहीं केवल मन से ही हैं। शरीर की बीमारी नहीं मन की ही बीमारी है। आज के वैज्ञानिक यह बात सिद्ध करते हैं कि ध्यान से अनेकों बीमारियॉ नष्ट हो जाती हैं।

भीतर प्रेम को लुटाओ जितना बांटोगे उतना तुम्हें मिलेगा- मुनिश्री ने कहा कि भीतर प्रेम को लुटाओ, जितना बांटोगे उतना तुम्हें मिलता जाएगा। फूल की भॉंति, नदी की भॉंति सुगन्ध तथा पानी बांटो। सूरज जिस प्रकार सबको प्रकाश देता है उस प्रकार सबको प्रकाश दो। श्रद्धा को मूल्य देने से शान्ति आती है। संघर्ष से जीवन में अशान्ति आती है । चुनाव हमारा है, हम श्रद्धा चाहते हैं या संघर्ष। आपको जो चाहिये वह स्वीकार करो। मार्ग तो यही है।

जैसा तुम करोगे वैसा ही तुम्हें फल मिलेगा-मुनिश्री ने कहा कि प्रतिदिन प्रभु की भक्ति करो, उनकी लौ भीतर जला लो, हर तरफ प्रकाश ही प्रकाश होगा । प्रार्थना करो, अहंकार छोड़ दो । जैसा तुम करोगे वैसा ही तुम्हें फल मिलेगा, अगर कांटे बोये हैं तो कांटे ही प्राप्त होंगे, आम की गुठली बोई है तो मीठे आम प्राप्त होंगे। दूसरों के दर्द में ऑसू बहाओ। परोपकार करो। करूणामय बनो। अपने भाव विचारों को शुद्ध कर लो, यही विचारों का अनमोल सार है।

मुनिश्री की समाजजनों ने संगीतमय दीपो से महाआरती की-चातुर्मास समिति के प्रचार संयोजक सचिन जैन आदर्श कलम ने बताया कि धर्म सभा के पहले समाजजनों ने आचार्यश्री पुष्पदंत सागर जी महाराज के चित्र का आवरण किया! मुनिश्री प्रतीक सागर महाराज की संगीतमय भव्य आरती दीपो से की गई! मुनिश्री के मंगल प्रवचन प्रतिदिन आचार्य पुष्पदंत सागर सभागृह में आयोजित किए जाएंगे!

प्रशासक एवं आयुक्त नगर-निगम को चेम्बर ने लिखा पत्र

ग्वालियर । एमपीसीसीआई द्वारा आज संभागीय आयुक्त व प्रशासक तथा आयुक्त, नगर-निगम, ग्वालियर को पत्र लिखकर, सम्पत्ति कर के साथ पुनः गारबेज शुल्क वसूल किए जाने का विरोध करते हुए, 6 प्रतिशत छूट के साथ सम्पत्ति कर जमा करने का एक अवसर और उपलब्ध कराए जाने की माँग की गई है । एमपीसीसीआई के अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कहा है कि संभागीय आयुक्त महोदय के निवास पर दिनांक 19 सितम्बर,2020 को माननीय ऊर्जा मंत्री-श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर जी के सानिध्य में हुई बैठक में यह निश्?चित किया गया था कि गारबेज शुल्क के अस्तित्व को तय करने के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें चेम्बर ऑफ कॉमर्स सहित सभी वर्ग के प्रतिनिधियों को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा और वह समिति गारबेज शुल्क के अस्तित्व को तय कर, उस पर उचित निर्णय लेगी एवं जब तक समिति का निर्णय नहीं आ जाता, तब तक सम्पत्ति कर बिना गारबेज शुल्क के जमा किया जाएगा । पदाधिकारियों ने कहा है कि तदनुसार दि. 30 अक्टूबर,20 तक बिना गारबेज शुल्क के सम्पत्ति कर ऑनलाईन और मैन्युअल जमा भी किया जा रहा था, परन्तु दिनांक 30 अक्टूबर,20 को ऑनलाईन एवं टीसी द्वारा भी सम्पत्ति कर बगैर गारबेज शुल्क के जमा करने से इंकार कर दिया गया । इस संबंध में चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयुक्त, नगर-निगम से चर्चा करने का काफी प्रयास किया, लेकिन उनसे चर्चा नहीं हो सकी । इसके पश्?चात्, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने अतिरिक्त आयुक्त, नगर-निगम, राजेश श्रीवास्तव के संज्ञान में इस मामले को लाया गया, तब उनके द्वारा बताया गया कि सॉफ्टवेयर में कोई तकनीकि खराबी के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है । एक-दो घंटे में इस समस्या का हल हो जाएगा । बावजूद इसके आज तक लगातार सम्पर्क करने के बावजूद दोनों अधिकारियों से चर्चा नहीं हो पाई। परिणाम स्वरूप दि. 31 अक्टूबर,20 सम्पत्ति कर जमा करने पर 6त्न की छूट की अंतिम तिथि होने से काफी करदाता यह लाभ लेने से वंचित रह गए । एमपीसीसीआई ने दोनों वरिष्ठ अधिकारियों से माँग की है कि 6त्न छूट के साथ सम्पत्ति कर जमा करने का एक अवसर और उपलब्ध कराया जाए एवं गारबेज शुल्क के संबंध में निर्णय लेने हेतु उक्त समिति के गठन उपरान्त निर्णय आने तक सम्पत्ति कर, बिना गारबेज शुल्क के जमा करने हेतु निर्देशित किया जाए ।

मौलिक कर्तव्यों का पालन करना चाहिए:विवेक खेड़कर

ग्वालियर। मध्य भारत शिक्षा समिति द्वारा संचालित माधव विधि महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संविधान के अनुच्छेद में निहित मूल कर्तव्यों की राष्ट्रीय उत्थान में भूमिका विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में अभिभाषक विवेक जैन व मुख्य अतिथि अभिभाषक विवेक खेड़कर उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माधव विधि महाविद्यालय के शासी निकाय अध्यक्ष प्रवीण नेवासकर ने की। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ नीति पांडे भी शामिल रही। इस मौके पर जैन ने कहा कि मौलिक कर्तव्य एवं मौलिक अधिकार एक दूसरे के पूरक हैं और अगर अधिकारों की चाह रखते हैं तो आपको अपने मौलिक कर्तव्यों का पालन सुनिश्चित करना ही होगा। कार्यक्रम में खेडकर ने कहा एक सच्चा एवं जिम्मेदार नागरिक वही है जिसके हृदय में देश प्रेम एवं अपने कार्य एवं व्यवहार में राष्ट्र के प्रति निष्ठा नजर आती हो। स्वागत भाषण नेवासकर ने किया कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेविका भावना धाकड़ ने किया।

आज विभिन्न क्षेत्रों की विद्युत सप्लाई बंद रहेगी

दतिया। 11 केव्ही भाण्ड़ेरी फाटक फीडर पर पोस्ट मानसून मेन्टीनेन्स का कार्य होने के कारण 6 नवम्बर 2020 को सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक विभिन्न क्षेत्रों की विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। सहायक यंत्री म.प्र.म.क्षे.वि.वि.कं.लि. दतिया शहर ने जानकारी देते हुए बताया कि जिन क्षेत्रों की विद्युत सप्लाई बंद रहेगी उनमें देहात थाने के पीछे, छल्लापुरा, बरधा वाली गली, रबदापुरा, भाण्ड़ेरी फाटक, पंड़ा की नरिया, गाड़ीखाना, सिंधी मंदिर, मुढ़िया की चक्की, किलेदार, साहनी मोहल्ला, छोटा बाजार से संबंधित क्षेत्र के नाम शामिल है। विद्युत सप्लाई का समय आवश्यकतानुसार घटाया बड़ाया जा सकता है।

TOMAR ASSOCIATES
शीघ्र करें, ऑफर सीमित समय के लिये
नवरात्री के अवसर पर
विशेष छूट पर प्लॉट उपलब्ध
ग्वालियर शहर में आसान मासिक किस्तों पर प्लॉट उपलब्ध। भिण्ड-ग्वालियर मैन रोड से मात्र 500 मीटर की दूरी पर सर्व सुविधा युवत पक्की कॉलोनी गौरी नगर में प्लॉट उपलब्ध हैं।
500, 600, 800, 1000, 1200 वर्ग फुट
नोट : तुरन्त रजिस्ट्री कराने पर रजिस्ट्रीखर्चे में 25 प्रतिशत का खर्चा
TOMAR ASSOCIATES द्वारा दिया जायेगा ।
नवरात्री पर विशेष छूट बेटी वाले परिवार को 100 रू वर्गफीट की विशेष छूट रहेगी ।
कॉल करें या मिलें 9 से 6 बजे तक
पता : 03 तोमर मार्केट, गायत्री मन्दिर वाली गली, पिन्टो पार्क, ग्वा. म.प्र.
मो.: 9713253992, 9165260261, 9111503705.
मुद्रक : भारत प्रिंटर्स, गिर्राज प्लाजा, पिन्टो पार्क, ग्वा. 9644042434

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ
पुष्पांजली टुडे
क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक
डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm. (Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज 12×5 - 2000 रु
नि:शुल्क बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रद्धांजलि शोक संदेश उठावनी
संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

P TV NEWS INDIA
प्रतिभा हम निखारेंगे
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई
कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे ।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निकट हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478